CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-190
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 15 अक्टूबर 2024

आज का विचार

जो लोग गिरने से डरते हैं वह कभी भी जीवन में उड़ान नहीं भर सकते।

कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस में सीबीआई ने मेडिकल बोर्ड से मांगी मदद

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडीकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर केस में अपनी जांच को आगे बढ़ाने के लिए सीबीआई ने मेडीकल बोर्ड की मदद मांगी है। सीबीआई ने स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर जनरल की तरफ गठित बहु-संस्थागत मेडिकल बोर्ड की मदद मांगी है ताकि वह कोलकाता डॉक्टर के साथ हुए जघन्य रेप और मर्डर की जांच को बिना किसी गलती के कर सके। सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक मेडिकल बोर्ड की प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला डॉक्टर की मौत गला घोंटने की वजह से हुई है, इसके अलावा पीड़िता के आंतरिक अंगों पर भी ताजा चोटों के निशान यह बताते हैं कि पीड़िता के साथ बलात्कार की घटना भी हुई। डीएनए प्रोफाइलिंग रिपोर्ट में पीड़िता के शरीर पर रॉय की लार की मौजूदगी भी पाई गई। इसके अलावा आरोपी रॉय के शरीर पर भी पांच अंदरुनी चोटें पाई गईं, जिससे यह साबित होता है कि पीड़िता ने संघर्ष किया था। एजेंसी ने बताया कि वह मेडिकल बोर्ड की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस बोर्ड में दिल्ली के शीर्ष अस्पतालों जैसे एम्स, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ शामिल हैं।

कनाडा से भारत ने वापस बुलाए उच्चायुक्त, रिश्ते हुए बेहद खराब

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा में अपने उच्चायुक्त और निशाना बनाए जा रहे अन्य राजनयिकों तथा अधिकारियों को स्वदेश वापस बुलाने का फैसला किया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि हमें कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की वर्तमान कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए हम अपने राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुला रहे हैं। भारत सरकार ने ये सख्त रुख तब अपनाया है, जब कनाडा की ट्रूडो सरकार ने अपनी हालिया जांच में भारतीय हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा को निज्जर हत्याकांड में पर्सन ऑफ इंटरेस्ट के रूप में लिंक किया था। इस पर भारत ने कड़ा ऐतराज जताया है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में कनाडाई उच्चायुक्त को तलब किया था। कनाडाई उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को आधारहीन निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।भारत ने कनाडा द्वारा भारतीय उच्चायुक्त एवं अन्य राजनयिकों को किसी मामले की जांच के सिलसिले में तलब किये जाने की भी कड़ी भर्त्सना की है और कहा है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की वोट बैंक की राजनीति के लिए यह साजिश रची गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को कल कनाडा से एक राजनयिक संदेश मिला, जिसमें कहा गया था कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में एक मामले के सिलसिले में चल रही जांच की निगरानी में हैं। मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। उसने कहा कि भारत अब भारतीय राजनयिकों के खिलाफ आरोपों को गढ़ने के कनाडा सरकार के इन नवीनतम प्रयासों के जवाब में आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हरियाणा में शपथ ग्रहण समारोह

एनडीए का शक्ति प्रदर्शन, पीएम मोदी, गृह मंत्री से लेकर 11 राज्यों के सीएम रहेंगे मौजूद, विपक्ष को भी न्योता

हरियाणा विधानसभा चुनाव में ने शानदार जीत हासिल करते हुए हैट्रिक मारी। बीजेपी को 48 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिला है। वहीं, इस बार जीत का दावा करने वाली कांग्रेस 37 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। प्रदेश में अब शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। यह शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्टूबर को पंचकूला में 33 एकड़ में फैले परेड ग्राउंड में होगा। बीजेपी इस समारोह को यादगार बनाना चाहती है।हरियाणा में 17 अक्टूबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के माध्यम से एनडीए अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी करेगी। यही कारण है कि बीजेपी के इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा 11 भाजपा शासित राज्यों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, एनडीए घटक दलों के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ विपक्ष के नेताओं को भी न्योता दिया गया है। इस संबंध में सीएम के पूर्व मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय ने बताया कि समारोह में ड्रोन दीदी, प्रगतिशील किसान, सफाई

कर्मचारी, उद्योगपतियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही सरकार की योजनाओं के लाभार्थी और प्रमुख खिलाड़ियों को भी निमंत्रण भेजा गया है। बता दें कि शपथ ग्रहण समारोह से पहले बुधवार यानी 16 अक्टूबर को विधायक दल की मीटिंग होगी। इसको लेकर ही आज मंगलवार रात से ही सभी विधायक चंडीगढ़ पहुंचने शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा आज मंगलवार को शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर चंडीगढ़ के हरियाणा भवन में बैठक भी बुलाई गई है, इस बैठक में कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली समेत अन्य भाजपा नेता शामिल होंगे।

11 जरूरी दवाओं की कीमतों में होगा इजाफा, उपलब्धता के लिए दी गई मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने आठ दवाओं के ग्यारह अनुसूचित यौगिकों की कीमतों में 50 प्रतिशत इजाफे की मंजूरी दे दी है। एनपीपीए के अनुसार इस कदम का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय 8 अक्तूबर को प्राधिकरण की बैठक के दौरान औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के पैरा 19 के तहत दी गई असाधारण शक्तियों का उपयोग करते हुए किया गया। इस कदम का उद्देश्य सस्ती दवा उपलब्ध कराने के जनादेश से समझौता किए बिना इन दवाओं के निर्माण की वित्तीय व्यवहार्यता को बनाए रखना है। एनपीपीए का पहला उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आवश्यक दवाएं उचित मूल्य पर उपलब्ध हों। हालांकि, दवा निर्माताओं की ओर से सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) की बढ़ती लागत, उत्पादन खर्च में वृद्धि और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण मूल्य संशोधन की मांग की थी। जिन दवाओं की कीमतों में वृद्धि को मंजूरी दी गई है उनमें अस्थमा, ग्लूकोमा, थैलेसीमिया, तपेदिक और मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसी स्थितियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं का उपयोग अक्सर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रथम-पंक्ति उपचार के रूप में किया जाता है, और मूल्य समायोजन का उद्देश्य उत्पादन चुनौतियों के कारण दवाओं की कमी या अनुपलब्धता को रोकना है।

अभियान में उज्जैन पुलिस की स्पेशल टीम बम और डॉग स्क्वॉयड की टीम भी शामिल

उज्जैन। मुंबई से मिले इनपुट के आधार पर उज्जैन शहर में पुलिस चेकिंग अभियान चला रही है। खबर है कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के संदिग्ध उज्जैन में छिपे हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम भी उनकी तलाश में यहां आई थी। अब पुलिस हर जगह पर पैनी नजर रख रही है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर एक संदिग्ध के उज्जैन में छिपे होने की संभावना है। इसे लेकर उज्जैन पुलिस अलर्ट पर मोड पर है। साथ ही मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम भी यहां आई हुई है। इसके बाद उज्जैन के हर कोने में संदिग्ध की तलाश की जा रही है। आरोपी की तस्वीर भी उज्जैन पुलिस के पास आई है। इसके बाद उज्जैन पुलिस शहर के हर कोने में संदिग्ध से पूछताछ कर रही है। स्टेशन से लेकर बस स्टैंड तक पर संदिग्धों की तलाशी ली जा रही है। वहीं, घटना के बाद मिले कुछ

इनपुट से मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम रविवार की सुबह से उज्जैन में है। पुलिस की टीम लगातार संदिग्ध की तलाश में जुटी है। शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की जा रही है। इस दौरान उज्जैन पुलिस की स्पेशल टीम, बम और डॉग स्क्वॉयड की टीम भी है। बताया जा रहा है कि आरोपी लॉरेंस गैंग से जुड़ा है। उज्जैन पुलिस ने रेलवे स्टेशन, देवासगेट बस स्टैंड और भैरवगढ़ क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया है।

झारखंड से फ्लाइट से आया था आशिक, पत्नी ने गढ़ी थी लूट की कहानी

टीचर पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची थी पति की हत्या की साजिश

देवास। देवास शहर के उज्जैन रोड स्थित मैनाश्री कॉलोनी में रविवार सुबह बदमाशों द्वारा घर में घुसकर लूटपाट और हथौड़ा मारकर विश्वास केरकट्टा (52) की हत्या का मामला शाम होते-होते हत्या का निकला। मृतक की पत्नी कांता ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का षड्यंत्र रचा और पति की हत्या करवा दी। महिला ने पुलिस के सामने लूटपाट और अज्ञात दो लोगों द्वारा हत्या करने की झूठी कहानी बताई। लेकिन जब पुलिस ने महिला के बयान के बाद घटना स्थल और मौका-मुआयना के साथ जांच को आगे बढ़ाया तो मामला संदिग्ध निकला। वहीं, महिला के बयानों में भी विरोधाभास था। इसके बाद पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो मामले की परतें खुलती गई। रविवार देर शाम पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए महिला को गिरफ्तार किया। महिला का प्रेमी व उसका साथी फरार हैं। आरोपी प्रेमी रूपक चौधरी को महिला ने झारखंड से बुलाया था। आरोपी चौधरी अपने एक साथी के साथ फ्लाइट से इंदौर पहुंचा और वहां से दोनों ने देवास पहुंचकर वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

हथौड़े से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाया- सुबह हत्या की सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं सीएसपी दीशेष अग्रवाल, औद्योगिक थाना टीआई शशिकांत चौरसिया भी मौके पर पहुंचे। पूछताछ में कांता ने पुलिस को बताया था कि रविवार सुबह आठ बजे घर में दो अज्ञात बदमाश घुस आए थे। जिन्होंने बंदूक अड़ाकर मेरी ज्वेलरी निकलवा ली थी। डर के मारे मैं बेहोश हो गई। कुछ देर बाद होश आया तो देखा पति विश्वास किरकेट्टा गंभीर रूप से घायल थे। महिला ने पति पर बदमाशों द्वारा हथौड़े से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाया था। पति का खून देखकर महिला ने खुद के बेहोश की बात भी कही थी। महिला का कहना था कि पड़ोसी व रिश्तेदार की मदद से पति को अस्पताल लेकर पहुंचे। वहीं, घटना के बाद सीएसपी दीशेष अग्रवाल मौके पर पहुंचे। पूरे घटनाक्रम को लेकर महिला और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की।

सीसीटीवी में पैदल चलते नजर आए आरोपी- जांच में पुलिस को सीसीटीवी से अहम सुराग मिले। कॉलोनी में कई जगह दोनों आरोपी नजर आए। इसमें उनके मुंह पर मास्क और पीठ पर बैग नजर आया। दोनों ही आरोपी पैदल चलते भी नजर आए थे। विश्वास मूल रूप से झारखंड रांची का रहने वाले थे। वे पिछले करीब 29 साल से देवास में रहकर किर्लोस्कर कंपनी में कार्यरत थे। वहीं, आरोपी कांता रांची में केंद्रीय स्कूल में शिक्षिका है। वो दशहरे की छुट्टी के चलते पांच दिन पहले ही देवास आई थी। 20 वर्षीय मानसिक रूप से कमजोर बेटा भी कांता के साथ रहता है। वह भी रांची से मां के साथ आया था। सुबह भी वह घटना के वक्त घर में ही था।

ब्रिटिश शासन में संपन्न देशों के बारे में शोध के लिए तीन अर्थशास्त्रियों को मिला इकोनॉमिक्स का नोबेल

अंग्रेजों के शासन में भारत जैसे संपन्न देश क्यों हुए गरीब ?

नई दिल्ली। यूरोप के औपनिवेशिक शासक एक संपन्न देश में आते हैं। धीरे-धीरे वहां का शासक बन जाते हैं और उस देश को अपना उपनिवेश बना लेते हैं। फिर उस देश के संसाधन अपने देश ले जाकर अपने हक में उनका इस्तेमाल करते हैं। इस प्रक्रिया में वह उपनिवेश जो पहले दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में गिना जाता था, गरीब बन जाता है तथा उपनिवेश बनाने वाला देश और अधिक संपन्न हो जाता है। ये पंक्तियां निश्चय ही आपको भारत में ब्रिटिश शासन की याद दिला रही होंगी। ऐसे ही उपनिवेश और औपनिवेशिक शासक देशों के संबंधों पर शोध करने वाले तीन अर्थशास्त्रियों को वर्ष 2024 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। ये हैं डेरॉन एसमोग्लु, साइमन जॉनसन और जेम्स रॉबिन्सन। डेरॉन एसमोग्लु और साइमन जॉनसन अमेरिका के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर हैं। प्रो. जेम्स रॉबिन्सन शिकागो यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। इनके शोध से किसी देश की संपन्नता में सामाजिक संस्थानों के महत्व को समझने में मदद मिलती है। इससे यह भी पता चलता है कि विभिन्न देशों की संपन्नता के बीच अंतर क्यों है। जिस समाज में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है और जहां के संस्थान आबादी का शोषण करते हैं, वहां ग्रोथ लोगों की बेहतरी या बदलाव के लिए नहीं होते। इन अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि ऐसा क्यों होता है।

यूरोपियंस ने अलग-अलग उपनिवेश में अलग नीतियां अपनाईं-एसमोग्लु और रॉबिन्सन ने इस सिद्धांत पर मशहूर किताब व्हाई नेशंस फेल- द ओरिजिंस ऑफ पावर, प्रॉस्पेरिटी एंड पॉवर्टी लिखी है। द नैरो कॉरिडोर- स्टेट्स, सोसायटीज एंड द फेट ऑफ लिबर्टी और इकोनॉमिक ओरिजिंस ऑफ डिक्टेटरशिप एंड डेमोक्रेसी इस विषय पर इन दोनों की अन्य किताबें हैं। तीनों अर्थशास्त्रियों ने एक साथ अनेक लेख भी लिखे हैं। इस विषय पर इनका एक लेख द कोलोनियल ओरिजिंस ऑफ कम्परेटिव डेवलपमेंट- एन एम्पिरिकल इन्वेस्टिगेशन 2001 में अमेरिकन इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित हुआ था। इसमें इन्होंने बताया है कि यूरोपियंस ने अलग-अलग उपनिवेश में अलग नीतियां अपनाईं। जहां उनकी मृत्यु दर अधिक थी, जहां वे बस नहीं सकते थे, वहां उन्होंने शोषणकारी संस्थान बनाए।

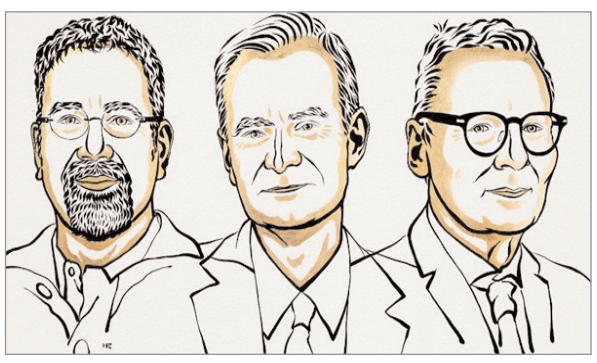

जिन देशों में शोषणकारी संस्थान थे वहां आर्थिक विकास की दर धीमी रही ज्यादातर समावेशी संस्थान उन देशों में बनाए गए जो उपनिवेश बनाए जाने के समय गरीब थे। दीर्घकाल में वहां के लोगों को इसका फायदा मिला और वहां संपन्नता बढ़ी। यह एक बड़ा कारण है कि जो पुराने उपनिवेश पहले अमीर थे, वे अब गरीब हैं तथा जो गरीब थे, वे अब अमीर हैं। जिन देशों में शोषणकारी संस्थान थे वहां आर्थिक विकास की दर धीमी रही। समावेशी संस्थान से दीर्घकाल में सबको फायदा होता है, लेकिन शोषणकारी संस्थानों से सत्ता में बैठे लोगों को ही अल्पकालिक लाभ मिलता है। जब तक वे सत्ता में रहते हैं तब तक उनके आर्थिक सुधार के वादों पर कोई भरोसा नहीं करता। इसलिए वहां कोई सुधार भी नहीं होता।

संसाधनों का अपने हित में किया इस्तेमाल- दरअसल यूरोपियंस ने दुनिया के अनेक देशों को अपना उपनिवेश बनाया। अमेरिका और कनाडा जैसे देशों में उन्हें वातावरण बहुत हद तक अपने देश जैसा मिला। इसलिए काफी यूरोपियन वहां बस गए और सामाजिक तथा राजनीतिक संस्थान स्थापित किए। लेकिन अफ्रीका जैसी जगहों पर यूरोपियंस के लिए रहना मुश्किल था। वहां उनकी मृत्यु दर बहुत अधिक थी। इसलिए उन्होंने ऐसे देशों के संसाधनों का अपने हित में इस्तेमाल करना शुरू किया। वहां संस्थान विकसित नहीं किए।

उदार संस्थानों का फायदा- इन अर्थशास्त्रियों ने यह सवाल भी उठाया कि उपनिवेश तो ब्रिटेन के अलावा फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल ने भी बनाए। लेकिन जैसा साम्राज्य ब्रिटेन का बना वैसा स्पेन या पुर्तगाल का क्यों नहीं बना। इनका तर्क है कि जिन देशों में राजनीतिक और सामाजिक संस्थान उदार थे, उन्हें स्थिति का अधिक फायदा मिला। जिस समाज में कट्टरता अधिक थी वह उतना सफल नहीं हो सका। उदाहरण के लिए एक समय कैथोलिक समाज में ब्याज लेने को बुरा माना जाता था। लेकिन ब्रिटेन के समाज ने ब्याज आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया और वे आगे बढ़े।

भारत पर भी लागू होती है बात- वर्ष 1700 के आसपास विश्व अर्थव्यवस्था में एक-चौथाई अकेले भारत की इकोनॉमी थी। वर्ष 1800 तक भारत तथा एशिया के और कई देशों की अर्थव्यवस्था काफी मजबूत थी। लेकिन उसके बाद यहां विकास धीमा हो गया। भारत में भी आधुनिक उद्योग से पहले जब लोग कृषि पर ज्यादा आश्रित थे, तब गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल के क्षेत्र अधिक संपन्न थे। वहां के संसाधनों का इस्तेमाल करने के लिए अंग्रेजों ने जमींदारी प्रथा लागू की। नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे वे इलाके गरीब होते गए। आजादी के बाद भी पूर्वी राज्यों में सामंती व्यवस्था काफी हद तक बनी रही जिसका खमियाजा वहां विकास पर दिखता है।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

कुछ जानवरों का जन्म होगा तो कुछ एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम से लेंगे एंट्री

चिड़ियाघर में जल्द बढ़ेगा टाइगर का कुनबा...

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्य प्रदेश के एनिमल लवर्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी आ रही है। इंदौर का कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय (चिड़ियाघर) जल्द ही नए सदस्यों का स्वागत करेगा। इनमें कुछ जानवरों का जन्म होगा, जबकि कुछ एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत यहां लाए जाएंगे। इंदौर जू और गोरेगांव (महाराष्ट्र) के जू के बीच एक खास एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत, इंदौर से एक टाइगर का जोड़ा महाराष्ट्र भेजा जाएगा, और बदले में वहां से भी एक टाइगर का जोड़ा इंदौर लाया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य टाइगर ब्रीडिंग को मजबूत बनाना और उनके कुनबे में विविधता लाना है।

जू क्यूरेटर निहार पारुलकर ने बताया कि इंदौर के चिड़ियाघर में फिलहाल 10 टाइगर हैं, जिनमें ज्यादातर आकाश और मेघा की संताने हैं। इसलिए, यह जरूरी हो गया है कि नई ब्रीडिंग के लिए बाहरी टाइगर का इस्तेमाल किया जाए। पारुलकर ने बताया कि एक टाइगर जब लगातार चार पीढ़ियों तक एक ही ब्रीडिंग से गुजरता है, तो उसमें कोई समस्या नहीं होती, लेकिन पांचवीं पीढ़ी में मादा टाइगर कमजोर शावकों को जन्म देने लगती है।

इसलिए, गोरेगांव से एक नया टाइगर जोड़ा लाया जा रहा है ताकि ब्रीडिंग में विविधता लाई जा सके और टाइगर का कुनबा स्वस्थ बना रहे।

इंदौर के चिड़ियाघर में मादा लायन मेघा का रिकॉर्ड भी काबिले-तारीफ है। वह अब तक 22 शावकों को जन्म दे चुकी है। हालांकि, इन शावकों में से आधे से ज्यादा को अन्य राज्यों के चिड़ियाघरों में भेजा जा चुका है, क्योंकि चिड़ियाघरों के बीच एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जानवरों का आदान-प्रदान होता रहता है। यह प्रोग्राम विभिन्न चिड़ियाघरों के बीच जानवरों की संख्या संतुलित रखने और ब्रीडिंग प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए होता है।

चिड़ियाघर में व्हाइट टाइगर के नन्हे शावकों का इंतजार

चिड़ियाघर के प्रभारी उत्तम यादव ने जानकारी दी कि जल्द ही इंदौर के चिड़ियाघर में व्हाइट टाइगर के कुनबे में नए नन्हे सदस्य जुड़ने वाले हैं। मादा व्हाइट टाइगर रागिनी अगले डेढ़ माह में शावकों को जन्म देने की संभावना है। इसके साथ ही मादा लायन मेघा भी जल्द ही नए शावकों को जन्म दे सकती है। चिड़ियाघर प्रशासन इन दोनों मादा शेरों की सेहत का विशेष ध्यान रख रहा है और नियमित रूप से उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

भविष्य की योजनाएं- नए और अनोखे जानवर

कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय और इंदौर नगर निगम की योजना है कि 2025 तक ऐसे 5-6 नए और अनोखे जानवरों को लाया जाए, जो फिलहाल चिड़ियाघर में नहीं हैं।

इन नए जानवरों में कंगारू और जिराफ जैसे विशेष प्रजातियों को शामिल करने की कोशिश की जा रही है, ताकि चिड़ियाघर में आने वाले दर्शक और भी विविधता से रूबरू हो सकें। इसके लिए देश के विभिन्न चिड़ियाघरों से बातचीत चल रही है, और इस दिशा में जल्द ही ठोस निर्णय लिया जाएगा।

टाइगर ब्रीडिंग और भविष्य की चुनौतियां

टाइगर ब्रीडिंग को स्वस्थ और निरंतर बनाए रखने के लिए चिड़ियाघर प्रशासन का मुख्य ध्यान टाइगर ब्रीडिंग में विविधता और गुणवत्ता पर है। लगातार पांच पीढ़ियों तक एक ही परिवार की ब्रीडिंग से कमजोर शावक पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, नए टाइगर लाकर इस समस्या को हल करने की कोशिश की जा रही है। जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है,

ताकि इसे और प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके।

एमपी पर्यटन विकास निगम : पैरासेलिंग बोट्स, मिनी क्रूज और आधुनिक बोट्स का लुत्फ ले सकेंगे सैलानी

ओंकारेश्वर में वाटर टूरिज्म केंद्र शुरू करने की तैयारी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और अपनी कमाई बढ़ाने के लिए कई नए कदम उठा रहा है। इसके लिए एमपीटीडीसी कई जगहों पर बोट क्लबों को नया रूप दे रहा है और नई सुविधाएं भी जोड़ रहा है।

इंदौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर ओंकारेश्वर में एक बड़े वाटर टूरिज्म सेंटर बनाने का प्रस्ताव है। यहां पर्यटकों के लिए पैरासेलिंग बोट, मिनी क्रूज और मोटर बोट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 16 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बता दें, कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में एमपीटीडीसी ने बोट क्लबों से 6 करोड़ रुपये की कमाई की थी। एमपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक इलैयाराजा टी ने बताया कि हम राज्य में कई जगहों पर नए बोट क्लब खोलने की योजना बना रहे हैं। साथ ही, पुराने बोट क्लबों में सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। इससे ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकेगा।

पैरासेलिंग बोट चलाने का प्रस्ताव

ओंकारेश्वर में पहले से ही एक छोटा सा वाटर क्लब है। इसमें चार स्पीड बोट हैं। यह क्लब एक साल पहले ही शुरू हुआ था। एमपीटीडीसी के वाटर टूरिज्म सलाहकार सेवानिवृत्त कमांडर राजेंद्र निगम ने कहा कि हमने ओंकारेश्वर में

पैरासेलिंग बोट चलाने का प्रस्ताव दिया है। इससे साहसिक खेलों के शौकीन पर्यटक यहां आकर्षित होंगे। ओंकारेश्वर में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए हम यहां नई सुविधाएं और गतिविधियां शुरू कर रहे हैं। हम डीजल के बजाए इलेक्ट्रिक और सौर ऊर्जा से चलने वाली बोट चलाने की भी कोशिश कर रहे हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

एमपीटीडीसी उज्जैन के गंभीर बांध पर भी बोट क्लब शुरू करने जा रहा है। साथ ही सरसी बोट क्लब में वाटर एक्टिविटीज का विस्तार किया जा रहा है। गंभीर बांध पर बनने वाले बोट क्लब में इलेक्ट्रिक बोट, शिकारा और मिनी क्रूज चलाने का प्रस्ताव है। इंदौर क्षेत्र में ओंकारेश्वर, सैलानी, गांधी सागर और चोरल में वाटर एक्टिविटीज होती हैं। मध्य प्रदेश में एमपीटीडीसी द्वारा चलाए जा रहे कुल 15 बोट क्लब हैं।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा- एलिवेटेड ब्रिज का निरस्त करने का निर्णय अव्यावहारिक

ब्रिज नहीं बनता है तो सरकार को 35 करोड़ का नुकसान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में 300 करोड़ के एलिवेडेट ब्रिज को निरस्त करने पर अब राजनीति शुरू हो गई है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने सवाल उठाया है कि देवास, जबलपुर, भोपाल, इंदौर के एलिवेडेट ब्रिज साथ में मंजूर हुए थे। देवास, जबलपुर में बन चुके है तो फिर इंदौर में क्यों नहीं बन सकता। यह भविष्य के लिए जरुरी है।

उन्होंने केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गड़करी को इस बारे में पत्र लिखकर बीआरटीएस कॉरिडोर पर एलिवेडेट रोड बनाने की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि एलिवेडेट ब्रिज का ठेका होने के बाद उसका काम शुरू हो गया था, लेकिन स्थानीय नेताअ?ों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को इस प्रोजेक्ट को लेकर गलत जानकारी देकर गुमराह किया। इसके बाद उन्होंने प्रोजेक्ट निरस्त कर दिया। अब सात ब्रिज बनाने की तैयारी की जा रही है, यह ब्रिज अ?ावरलेप हो

जाएंगे और इससे बीआटीएस कॉरिडोर भी खत्म हो जाएगा। मंत्री वर्मा ने कहा कि जब मैं नगरीय प्रशासन मंत्री था, तो आपने सात मिनि में इंदौर के एलिवेडेट ब्रिज की मंजूरी दी थी। तब जबलपुर,भोपाल व देवास के ब्रिज भी स्वीकृत किए गए थे।

मिट्टी परीक्षण में ही पांच करोड़ रुपए हुए खर्च

वर्मा ने पत्र में कहा कि यदि एलिवेडेट ब्रिज नहीं बनता है तो सरकार को 35 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। सर्वे, मिट्टी परीक्षण में ही पांच करोड़ रुपये खर्च हो चुके है। एलिवेडेट ब्रिज के बजाए सात चौराहों पर ब्रिज बनाने से शहर का ट्रैफिक और बिगड़ेगा। कई शहरों में एलिवेडेट ब्रिज के प्रयोग हुए है।

उन्होंने गड़करी से पत्र में कहा कि इंदौर के विकास के लिए वे खुद हस्तक्षेप करे और एलिवेडेट ब्रिज का निर्माण कराए।

बिजली के पैनल सेट में फंसकर गई जान, ओपीडी का काम हुआ प्रभावित

एमवाय अस्पताल में बिल्ली की मौत से 2 घंटे तक बिजली सप्लाई बाधित

सिटी चीफ इंदौर।

एमवाय अस्पताल में इलेक्ट्रिक पैनल सेट में एक बिल्ली की फंसने से मौत हो गई। इससे लाइट गुल हो गई। जिससे करीब दो घंटे तक ओपीडी का काम प्रभावित हुआ। हालांकि फिर सुधार काम के बाद काम सुचारू हो गया।

घटना सोमवार सुबह 10.30 बजे की है। यहां नई ओपीडी की लाइट गुल हो गई। इससे ओपीडी में कम्प्यूटर पर काम बंद हो गया। वही डॉक्टरों के केबिन में बिजली नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ा। इलेक्ट्रिशियन ने काफी देर तक चेक किया तो बिजली की सप्लाई तो थी लेकिन ओपीडी बिल्डिंग की लाइन में गड़बड़ी थी। बाद में पता चला कि बिजली के पैनल सेट में एक बिल्ली फंसी है। संभवत: एक-दो दिन पहले ही उसकी मौत हो गई थी, जिससे बदबू आ रही थी। कुछ देर बाद मृत बिल्ली को निकालकर सुधार काम किया गया। इसके बाद पर्चियां बनाने का काम शुरू हो सका ।

कंट्रोल पैनल के पास जहां बिजली सप्लाई का पाइंट होता है, वही पास में जनरेटर का पाइंट है।

बिल्ली वही फंसी थी, इस कारण करीब 40 मिनट तक ओपीडी के 5 विभाग का काम प्रभावित हुआ, इसके बाद काम सुचारु हो गया है ।

डॉ. अशोक यादव, सुपरिंटेंडेंट

पूर्व मुख्यमंत्री ने की कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष की बेइज्जती, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पत्र

फोटो खिंचवाने का कहा तो दिग्विजय बोले- पहले इंदौर के चुनाव जितवाओ

सिटी चीफ इंदौर।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और इंदौर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र यादव का एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यादव ने इस पत्र में दिग्विजय को लेकर अपनी नाराजगी जताई है। यादव ने पत्र में लिखा है कि आपसे रेसिडेंसी पर मुलाकात के दौरान भाजपा के विरुद्ध आंदोलन की जानकारी दी, तब आपने कहा कि पहले लोकसभा, विधानसभा और वार्ड जिताओ। मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि आपका उम्मीदवार अक्षय बम जो तीन महीने पहले सक्रिय हुआ था, वह अब भाजपा में है। राजा मंधवानी, पार्षद अर्चना राठौर ने भी भाजपा जॉइन कर ली। मैं निरंतर भाजपा के खिलाफ आंदोलन करता था, करता रहूंगा।

दरअसल दिग्विजय सिंह दशहरा आयोजन के लिए इंदौर आए थे। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने रेसीडेंसी पर कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। उस समय देवेंद्र सिंह यादव भी कुछ युवा नेताओं को लेकर उनसे मिलने पहुंचे थे। यादव ने दिग्विजय से मुलाकात के दौरान बताया कि उनके द्वारा इंदौर में भाजपा के खिलाफ किस तरह से आंदोलन चलाए जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने दिग्विजय सिंह से कहा कि यह हमारे युवा नेता है आप इनके साथ फोटो खिंचवा लीजिए।

रूसी महिला ने पीएम मोदी से मांगी सुरक्षा, रूस के दूतावास ने इंदौर प्रशासन से एफआईआर न होने पर मांगा जवाब

पुतिन तक पहुंची एनआरआई पति के 200 टुकड़े करने की धमकी

सिटी चीफ इंदौर।

एक रूसी महिला ने अपने पति की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सरक्षा की गुहार लगाई है। वीडियो जारी कर महिला ने कहा कि मैं अभी मॉस्को में दो बेटों के साथ हूं। मेरे पति गौरव को इंडिया गए तीन महीने हो गए हैं। उनको 200 टुकड़े कर जान से मारने की धमकी मिल रही है। वहीं, रूस के दूतावास की ओर से इंदौर के जिलाधिकारी को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया कि एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हो रही है। दूतावास से यह मेल मिलने के बाद इंदौर प्रशासन में खलबली मच गई।

दरअसल, काजिया (पीड़िता) के पति गौरव अहलावत ने संजय जसवानी के साथ मिलकर कन्फेक्शनरी की फैक्ट्री शुरू की थी। गौरव का आरोप है कि संजय जसवानी ने उनके साथ धोखा किया और उनको बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी। गौरव ने पुलिस पर आरोपी को बचाने का भी आरोप लगाया। सुनवाई नहीं होने पर काजिया ने वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सरक्षा की गुहार लगाई है। काजिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पति की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। वीडियो में उन्होंने कहा कि उनके पति को भारत में धमकियां मिल रही हैं उनके पति के 200 टुकड़े करने की धमकी दी है। जिससे वह चिंतित है उन्होंने कहा कि उनके पति गौरव को इंडिया गए हुए तीन महीने से ज्यादा का समय हो गया है। हमारी उनसे फोन पर बात होती है। गौरव ने बताया कि उनके दो सौ टुकड़े करने की उन्हें धमकी मिली है। गौरव की जान को खतरा है। गौरव ने मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है।

रूस के दूतावास की ओर से इंदौर के जिलाधिकारी को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया कि एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हो रही है। दूतावास से यह मेल मिलने के बाद इंदौर प्रशासन में हडकंप मचा है। बताया जा रहा है कि जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

निवेशकों का मनोबल गिरा सकती हैं ऐसी घटनाएं

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पर ट्वीट करते हुए लिखा कि ऐसी घटनाएं मध्य प्रदेश में निवेशकों का मनोबल गिरा सकती हैं।

सिंगल कॉलम

भोपाल में मेट्रो के काम की धीमी चाल, दिसंबर तक काम पूरा होना मुश्किल

भोपाल। शहर में मेट्रो लाइन बिछाने के काम की धीमी चाल की वजह से दिंसबर तक प्रायोरिटी कारिडोर का कार्य पूरा होने की उम्मीद कम है। इसकी वजह कर्मचारियों की कमी है, जिस वजह से निर्माण कार्य में तेजी नहीं आ पा रही है। गौरतलब है कि दिंसबर 2024 तक मेट्रो के 6.22 किलोमीटर लंबी प्रायोरिटी कारीडोर का काम पूरा करना है। इसमें डिपो का ही 40 प्रतिशत काम बाकी है। आठ मेट्रो स्टेशन में से सिर्फ सुभाष नगर स्टेशन पर ही 100 प्रतिशत काम हुआ है, बाकी में कहीं 40 प्रतिशत काम हुआ है तो कहीं 80 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। टिकटिंग सिस्टम से लेकर सिग्लिंग सिस्टम का काम भी 60 प्रतिशत ही हुआ है। अभी अंडरग्राउंड वाटर टैंक से लेकर सिक्यूरिटी के अन्य इंतजाम भी अधूरे हैं। गणेश मंदिर मेट्रो ओवरब्रिज में ही डीआरएम रोड की ओर स्टील ब्रिज का काम बाकी है। इसकी अभी कसावट ही हो रही है। यात्रियों के स्टेशन तक पहुंचने सीढ़ियां व एक्सीलेटर ही नहीं स्थापित हो पाए हैं। 2020 में शुरू हुआ मेट्रो का कार्य अक्टूबर 2024 तक के चार साल में 6.22 किलोमीटर ही पूरा नहीं हो पाया है। भोपाल में मेट्रो का काम अपनी गति से नहीं चल रहा है, इस कारण कई तरह की परेशानी का सामना शहर के नागरिकों का ना पड़ रहा है। हबीबगंज नाका पर लम्बे समय से रास्ता बंद है, लोगों को कई किमी का फेरा लगाकर जाना पड़ रहा है, समय और पैसे दोनों की बबार्दी हो रही है। दूसरा जिस रास्ते को डायवर्ट किया गया है, वहां का रास्ता भी खस्ता हो गया है, आस पास के लोगों धुल और गुबार से परेशान है, सड़क जर्जर हो गई वो अलग। इस कारण यहां पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा एमपी नगर में सरगम टाकीज पर बने मेट्रो स्टेशन के कारण एक रास्ता बंद है। एक रास्ते में भी सड़क पर गड्ढे हो गए है, आऐ दिन दुर्घटना होती रहती है। रात के समय बिजली नहीं होने से स्थिति और भयावय हो गई है।

विजयपुर उप चुनाव में रामनिवास रावत होंगे भाजपा प्रत्याशी

भोपाल। विजयपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए भाजपा ने रामनिवास रावत को अपना प्रत्याशित घोषित कर दिया है, वहीं बुधनी के लिए पैनल बनाया जाएगा। इसी के आधर पर प्रत्याशी का चयन किया जाएगा। भाजपा ने दोनों उपचुनावों के लिए तैयारी शुरू कर दी है। प्रभारी और सह प्रभारी पहले ही नियुक्त किए जा चुके है, पार्टी संगठन ने मध्य प्रदेश भाजपा कार्यालय में इसके लिए बैठक आयोजित हुई है। विजयपुर में रामनिवास रावत को ही प्रत्याशी बनाए जाने पर मुहर लग गई है। रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे और मंत्री बनने के बाद विधायक पद से त्यागपत्र दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सांसद बनने के बाद खाली हुई बुधनी विधानसभा सीट पर भी नामों का पैनल तैयार किया गया है। बुधनी विधानसभा सीट से दावेदारों में रमाकांत भार्गव, रंजीत सिंह चौहान और शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम शामिल हैं। विधायकों के इस्तीफे से रिक्त हुई बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीट पर चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव की घोषणा से पहले ही भाजपा ने प्रभारी और सह प्रभारियों की नियुक्ति कर दिए थे। करण सिंह वर्मा को बुधनी विधानसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, पूर्व मंत्री रामपाल सिंह सह प्रभारी बनाए गए। इसके साथ ही कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना को विजयपुर विधानसभा का प्रभारी और पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे को सह प्रभारी बनाया गया है। इन्होंने इन दोनों ही सीटों पर बैठकें कर पार्टी के पक्ष में माहौल को टटोला है तो वहीं प्रत्याशी चयन की कवायद भी

आधी रात में घर में घुसकर पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

भोपाल। ऐशबाग इलाके में एक नवविवाहिता से उसके पड़ोसी ने घर में घुसकर दुष्कर्म कर दिया। पड़ोसी ने रात करीब तीन बजे जब नवविवाहिता का पति घर पर मौजूद नहीं था, तब मौका का फायदा उठाकर घर में घुस गया और महिला से ज्यादती की। दुष्कर्म करने के दौरान आरोपी ने महिला के फोटो खींच लिए थे और वीडियो बना लिया था। साथ ही वह दोबारा उससे दोबारा संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। महिला ने यह बात अपने पति को बताई और आरोपी के विरूद्ध ऐशबाग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने युवक पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू दी है। पुलिस के अनुसार नवविवाहित 19 वर्षीय महिला अपने पति के साथ रहती है। उसके पड़ोस में ही युवक सानिब रहता है, जो कि महिला के पति का दोस्त है। उसका अक्सर घर में आना-जाना होता था। सात अक्टूबर को पति की गैरमौजूदगी में रात करीब तीन बजे वह महिला के घर में घुस गया और दुष्कर्म कर वीडियो व फोटो खींच लिए। घटना के बाद महिला अपने मायके चली गई। इस दौरान आरोपी दोबारा संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। महिला ने इनकार किया तो उसने आपत्तिजनक वीडियो व फोटो उसके पति को भेजने की धमकी दी।

मां दुर्गा विसर्जन चल समारोह निकला, झांकियां देखने उमड़े लोग

छह घाटों पर 500 से अधिक मां की मूर्तियां हुईं विसर्जित

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी पुराने शहर के भारत टाकीज से दुर्गा विसर्जन चल समारोह शुरू हुआ। रविवार शाम 7:30 बजे से मातारानी की झांकियां पहुंचने लगी थीं। रात 10 बजे चल समारोह की शुरूआत हुई। समारोह में 125 से अधिक चलित झांकियां और पांच से 18 फीट तक मां की मूर्तियां शामिल रहीं।

चल समारोह में मां दुर्गा का दरबार, श्री कृष्ण लीला प्रसंग, अयोध्या का राम मंदिर समेत अन्य आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। खटलापुरा, प्रेमपुरा, सीहोर नाका, हथाईखेड़ा सहित छह घाटों पर 500 से अधिक मां की मूर्तियां विसर्जित हुई। विसर्जन का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहेगा। इससे पहले वर्षा के कारण झांकियों को पालिथीन से ढकना पड़ा। वहीं चल समारोह के लिए बनाए गए मंच वर्षा से भींग गए। इससे चल समारोह शुरू होने में देरी भी हुई।

माता रानी के जयकारे गूंजते रहे

श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष संतोष साहू ने बताया कि इस बार चल समारोह

परिवर्तित मार्ग भारत टाकीज से निकाला गया। इसमें ढोल, बैंड, तासे पर श्रद्धालु नृत्य कर रहे थे, और माता रानी के जयकारे गूंज रहे थे। जगह-जगह अखाड़ों के कलाकार करतब दिखा रहे थे। चल समारोह में 150 से अधिक मूर्तियां और चलित झांकियां शामिल थीं। ढोल-ढमाकों के साथ विसर्जन का सिलसिला चलता रहा। विसर्जन घाटों पर मूर्तियों का सुरक्षित विसर्जन कराने 150 से अधिक गोताखोरों को आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में नियुक्त किया हुआ है। इनके जरिए ही मूर्तियों को विसर्जित किया गया। लोगों को पानी के पास नहीं पहुंचने दिया जा रहा है। इसके साथ कुंड की तुरंत सफाई भी की जा रही है। रविवार तक विसर्जित मूर्तियों की संख्या 1500 से अधिक पहुंच जाएगी। भदभदा घाट पर विसर्जन के दौरान क्रेन मशीन खराब हो गई। ऐसे में श्रद्धालुओं की मदद से मां मूर्तियों का विसर्जन किया गया। थोड़ी देर बाद क्रेन मशीन को सुधार कर लिया गया। इसके बाद मूर्तियों का विसर्जित करने का सिलसिला फिर से शुरू हो सका।

तीन दिन में 1670 मूर्तियों का विसर्जन

शहर के विभिन्न घाटों में विगत तीन दिन में 1670 मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन किया जा चुका है। खबर लिखे जाने तक प्रेमपुरा घाट पर 663, शाहपुरा विसर्जन घाट पर 87, खटलापुरा घाट पर 101, रानी कमलापति विसर्जन घाट पर 196, बैरागढ़ विसर्जन घाट पर 303, मालीखेड़ी विसर्जन घाट पर 69 और हथाईखेड़ा बांध स्थित विसर्जन घाट पर 251 प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। विसर्जन का क्रम निरंतर जारी। निगम ने शहर के सात विसर्जन घाटों पर क्रेन, बोट्स, पर्याप्त संख्या में आवश्यक संसाधनों, उपकरणों से लैस गोताखोर व फायर ब्रिगेड का अमला तैनात है। साथ ही बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की व्यवस्था भी की गई है। सुरक्षा और समन्वय के लिए प्रत्येक घाट पर कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है।

मप्र में रोज औसतन 27 ड्रग डीलर हो रहे गिरफ्तार, 115 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

2023 में 6,161 केस

7,886 हुए गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री भले ही इस माह पकड़ाई है, पर इसके पहले से प्रदेश में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार जमकर चलता रहा है। इसका अंदाजा पुलिस की इस जानकारी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2023 में जनवरी से अब तक पूरे प्रदेश में छह हजार 161 प्रकरणों में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाले सात हजार 886 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। यानी औसतन 27 आरोपित रोज पकड़े गए हैं। आरोपितों के विरुद्ध सबसे अधिक कार्रवाई मंदसौर एवं नीमच में की गई है।

115 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

प्रदेश भर में 29 अपराधियों 115 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त या फ्रीज की गई है, जिनमें 23 इन दोनों जिलों के हैं। नाहरगढ़ के धनराज उर्फ धन्ना की 14 करोड़, नारायणगढ़ के श्याम सिंह की 10 करोड़, मनसा के पीयूष बंजारा की 10 करोड़ से अधिक, सीतामऊ के अशोक पिता मांगीलाल पाटीदार की आठ करोड़ और अफजलपुर के ताहिर पिता शफी मोहम्मद की तीन करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है।

एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत इस वर्ष अभी

तक कुल 74 अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, जिसमें इंदौर के 43, मंदसौर एवं उज्जैन के पांच-पांच और नीमच एवं रतलाम के चार-चार आरोपित शामिल हैं।

अन्य राज्यों के अपराधियों तक पहुंचेगी पुलिस

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुधीर सक्सेना ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक नेटवर्क पता करने के लिए सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को कहा है। उन्होंने कहा कि आरोपितों के लिंक और नेटवर्क को ट्रैक कर, मूवमेंट की जानकारी एकत्र करें और उनके गठजोड़ का पता लगाएं।

आरोपितों की चल-अचल संपत्ति और वित्तीय लेन-देन का डाटा का एकत्र करें। नशे के कारोबार में लिप्त प्रदेश के एवं अन्य राज्यों के अपराधियों की जानकारी एकत्र करें। डीजीपी ने गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्धों की जानकारी एनसीओआरडी पोर्टल पर अपडेट करने के लिए भी आदेश दिए हैं।

पिछले वर्ष मप्र के तीनों उद्यानों में पहुंचे 47 हजार विदेशी सैलानी

वन्यजीव देखने में बढ़ी पर्यटकों की रुचि

भोपाल। वन्यजीव देखने में रुचि अधिक होने से मध्य प्रदेश आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस साल प्रदेश के कान्हा, बांधवगढ़ और पेंच राष्ट्रीय उद्यान विदेशी पर्यटकों के पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरे हैं। पिछले साल की तुलना में तीनों उद्यानों में विदेशी पर्यटकों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी देखी गई है। दूसरी ओर मैहर और उज्जैन जैसे धार्मिक स्थलों की ओर विदेशी पर्यटकों का रुझान नहीं है। पर्यटन विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक तीनों उद्यानों में वर्ष 2023 में कुल मिलाकर 47 हजार 136 विदेशी पर्यटक आए थे, जबकि इस साल के पहले पांच महीनों (जनवरी-मई 2024) में ही 40 हजार 634 विदेशी पर्यटक आ चुके हैं। जनवरी-मई 2023 की अवधि में यह संख्या 34 हजार 300 थी। इस साल मई तक राज्य का दौरा करने वाले 91 हजार विदेशियों में से लगभग 45 फीसदी ने इन राष्ट्रीय उद्यानों का दौरा किया है। वर्ष 2023 की जनगणना में राज्य में गिने गए सात सौ 45 बाघों में से 135 का घर बांधवगढ़ विदेशी पर्यटकों का शीर्ष गंतव्य है। 2023 में लगभग 22 हजार विदेशियों ने राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया था, जबकि शुरूआती पांच महीनों में यह संख्या 16 हजार 600 थी। इस साल पहले पांच महीनों में इनकी संख्या लगभग 20 हजार को छू गई है।

घरेलू पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं

इसके बाद कान्हा का स्थान है, जिसमें 105 बाघ हैं। पिछले साल लगभग 16 हजार विदेशियों ने कान्हा का दौरा किया था (जनवरी-मई 2023 तक 11 हजार 915), जबकि इस साल मई तक यह संख्या 13 हजार को पार कर गई है। पेंच राष्ट्रीय उद्यान में 2023 में कुल आठ हजार 224 पर्यटक आए। इसमें जनवरी-मई तक पांच हजार 524 आए। वहीं 2024 में जनवरीसे मई सात हजार 165 पर्यटक पहुंचे थे। हालांकि इन पार्कों में आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हुई है। पिछले साल करीब एक लाख 60 लाख घरेलू पर्यटक बांधवगढ़ आए थे, जबकि इस साल मई तक इनकी संख्या 76 हजार 864 रही। कान्हा में यह आंकड़े क्रमश: 2.15 लाख और 1.16 लाख घरेलू पर्यटक पहुंचे। पेंच में 1.55 लाख और 60 हजार घरेलू पर्यटक पहुंचे।

कूनो नेशनल पार्क में अब खुलकर जिएंगे चीते, बड़े बाड़े से दो-दो करके छोड़े जाएंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। देश में चीतों की धरती कूनो नेशनल पार्क में अब चीते खुलकर जिएंगे। उन्हें बड़े बाड़े से खुले जंगल में छोड़े जाने की स्वीकृति चीता स्टीयरिंग (संचालन) कमेटी से मिल गई है। दो-दो की संख्या में चीतों को छोड़ा जाएगा। इसके बाद स्थिति को देखते हुए अन्य चीतों और शावकों को भी खुले जंगल में छोड़ा जाएगा।

चीतों को छोड़ने की तैयारी शुरू कर दी गई है। खास बात यह है कि चीते समीपस्थ राज्यों में भी स्वच्छंद विचरण कर सकेंगे। इनके भोजन, सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित राज्य के वन मंडल की होगी। इस आशय का निर्णय पिछले दिनों कूनो नेशनल पार्क में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 22 वन मंडलाधिकारियों की कार्यशाला में लिया गया। बता दें, कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 12 वयस्क और 12 चीता शावक हैं। सभी को बड़े बाड़े में रखा गया है। भारत में पहली बार चीते 17 सितंबर, 2022 को लाए गए थे। 11 मार्च, 2023 को पहली बार चीता पवन व आशा को खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके कुछ ही दिन बाद चीता गौरव (एल्टन) और शौर्य (फ्रेडी) को छोड़ा गया था।

बदमाशों ने 20 लाख के नकली नोट बनाने का लालच देकर ठेकेदार से हड़पे साढ़े पांच लाख रुपये

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नकली नोट बनाने का लालच देकर राजधानी में तीन बदमाशों ने एक ठेकेदार से पांच लाख 60 हजार रुपए की धोखाधड़ी की है। आरोपितों ने उसे ढाई लाख रुपये के कागज व सात लाख की स्याही से 20 लाख रुपये के नकली नोट बनाने का झांसा दिया था। लालच में आकर ठेकेदार ने पहले दो लाख 60 हजार और फिर तीन लाख रुपए बदमाशों को दिए।

रुपये ऐंठने के बाद बदमाश मोबाइल बंद कर अपने ठिकानों से फरार हो गए। पीड़ित ठेकेदार राजकुमार मेहरा की शिकायत पर क्राइम ब्रांच पुलिस ने तीनों आरोपितों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया और रविवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं धोखाधड़ी का एक अन्य आरोपित फरार है। पुलिस के अनुसार राजकुमार ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में रहता है। करीब 15 दिन पहले उसके ड्राइवर दोस्त उस्मान ने उसे नकली नोट बनाने के व्यवसाय के संबंध में आरिफ अली उर्फ बाबू, शेरू खान उर्फ राजकुमार पटेल और रियाज से मिलवाया था। भानपुर ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार हुए आरोपी तीनों बदमाशों ने उसे बताया कि दो लाख 60 हजार रुपये में कागज का बंडल और सात लाख रुपये से कैमिकल कलर स्याही खरीदी जाती है। बंडल से 20 लाख रुपये कीमत के 100 एवं 500 रुपए के नोट बनते हैं। स्याही की डब्बी से 85 लाख रुपये के नोट बनाए जा सकते हैं।

करोंद इलाके में हादसा, पुलिस ने रस्सी और सीढ़ियों के सहारे लोगों को उतारा

कबाड़ गोदाम में लगी आग, तीसरी मंजिल में फंसे 10 लोग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। करोंद इलाके के हाउसिंग बोर्ड में शनिवार-रविवार की दरमियानी एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। आग लगने से चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान तीसरी मंजिल पर 10 लोग फंस गए थे, जिन्हें पुलिस ने रस्सी और सीढ़ियों के सहारे बिल्डिंग से नीचे उतारकर आग से बचाया।

वहीं आग पर काबू पाने के लिए नगर निगम की सात दमकलें मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बिल्डिंग के निचले तल में मौजूद कबाड़ के गोदाम से भड़की थी, जिसने कुछ ही समय में पूरी बिल्डिंग को आगोश में ले

लिया। रात में करीब तीन बजे सूचना मिली तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग में फंसे लोगों का रेस्क्यू किया।

नीचे गोदाम और जिम संचालित, ऊपर रहते हैं परिवार

निशातपुरा थाना पुलिस के अनुसार हाउसिंग बोर्ड के दशहरा मैदान के पास स्थित तीन मंजिला बिल्डिंग में नीचे कबाड़ का गोदाम है। उसके ऊपरी तल में मो. रजी जिम संचालित करते हैं, जबकि ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहते हैं। शनिवार देर रात मंसूर खां के कबाड़ के गोदाम में आग लगी थी।

कुछ ही समय में आग की लपटें तीसरी मंजिल तक पहुंच गईं। तब पड़ोस के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना दी। ठीक तीन बजे घटनास्थल पर रस्सी और सीढ़ियां लेकर पहुंची और आधे घंटे के भीतर तीसरी मंजिल पर फंसे बुजुर्ग और पांच बच्चों समेत कुल 10 लोगों का रेस्क्यू किया।

शार्ट सर्किट से लगी थी आग

दमकल विभाग के रामशेरा ने बताया कि करीब पौने तीन बजे बिल्डिंग में आग लगने की जानकारी मिली। जिसके बाद पुल बोगदा, फतेहगढ़, छोला और गांधीनगर से सात दमकलें मौके पर पहुंची। एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकलों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान पूरे इलाके की बिजली बंद करा दी गई थी।

पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शार्ट सर्किट सामने आया है। वहीं कबाड़ के गोदाम के संचालन के संबंध में नगर निगम में जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में असुरक्षा : अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें यूनुस

हाल के दिनों में बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों में हुए हमलों की भारत द्वारा कड़ी निंदा सरकार की किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति को ही दशार्ता है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दी गई। जिसमें तमाम स्थानों पर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाने पर लिया गया। जिसके बाद नई दिल्ली ने बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बार-बार चिंता व्यक्त की है। यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर जारी है। इसमें धार्मिक स्थलों और पूजा पंडालों को अपवित्र करने, तोड़फोड़ और डकैती जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं। इस पर यूनुस की दलील रही है कि ये हमले राजनीति से प्रेरित हैं और इन्हें सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता। वहीं बार-बार धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के आश्वासन और समय-समय पर मंदिरों में जाने के बावजूद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत के एक व्यवस्थित पैटर्न को पनपने दिया जा रहा है। बीच-बीच में सरकारी नौकरियों व शिक्षकों की भूमिका निभा रहे अल्पसंख्यकों को जबरन इस्तीफा देने के लिये दबाव बनाने के आरोप भी लगते रहे हैं। यहां तक कि मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बांग्लादेश यात्रा के दौरान दिए गए मुकुट के चोरी हो जाने का समाचार पिछले दिनों आया। निस्संदेह, अल्पसंख्यकों के खिलाफ यह मुहिम गंभीर चिंता का विषय है। निश्चित रूप से, यह भारत-बांग्लादेश के संबंधों के लिये परीक्षा का समय है। मुकदमा चलाने के लिये शेख हसीना को वापस भेजने की मांग पर नई दिल्ली की चुप्पी ने ढाका में हलचल बढ़ाई है। दरअसल, बदले हालात में वहां एक वर्ग का उदय हुआ है जो चाहता है कि बांग्लादेश अपने शक्तिशाली पड़ोसी से आंख में आंख डालकर बात करे। हालांकि, यह धारणा गलत व अव्यावहारिक है। फिर भी दोनों पक्षों को बढ़ते अविश्वास की खाई को पाटने में किसी भी देरी को टालना होगा। राजनयिक चैनलों को पूरी ताकत के साथ सक्रिय करने की जरूरत है। जिसके लिये जरूरत पड़ने पर सख्ती दिखाने की भी जरूरत होगी। ऐसे में पश्चिमी देशों के पोस्टर बॉय बने सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर फिलहाल बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत के लिये भी एक सबक है। अपने देश में भी अल्पसंख्यकों के साथ किसी तरह का भेदभाव व दुराग्रह उतना ही अनुचित होगा, जैसा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा है। यह भेदभावपूर्ण व्यवहार व बेतुकापन खत्म होना चाहिए। यह भारत की वसुधैव कुटुम्बकम्? की नीति के विरुद्ध होगा। दूसरे शब्दों में यह भारत और भारतीयता का अपमान भी होगा। हर देश में अल्पसंख्यकों के साथ सहिष्णुता का व्यवहार वक्त की पहली जरूरत है।

सहज और सरल स्वभाव के साथ दयालु भी थे कलाम

कलाम शायद भारत के पहले गैर राजनीतिक राष्ट्रपति थे। उनके समकक्ष अगर किसी को रखा जा सकता है तो वो थे डाक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन। लेकिन राधाकृष्णन भी पूरी तरह से गैर राजनीतिक नहीं थे और सोवियत संघ में भारत के राजदूत रह चुके थे। कलाम की राजनीतिक अनुभवहीनता तब उजागर हुई जब उन्होंने 22 मई की आधी रात को बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुमोदन कर दिया, वो भी उस समय जब वो रूस की यात्रा पर थे। बिहार विधानसंभा चुनाव में किसी भी पार्टी के बहुमत न मिलने पर राज्यपाल बूटा सिंह ने बिना सभी विकल्पों को तलाशे बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल न एक बैठक के बाद उसे तुरंत राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के लिए फैक्स से मास्को भेज दिया। कलाम ने इस सिफारिश पर रात डेढ़ बजे बिना किसी हील हुज्जत के दस्तखत कर दिए।दुनिया को बेहतर बनाने में छात्रों के योगदान को महत्व देने के लिए साल 2010 से भारत के 11वें राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की 15 अक्टूबर को पड़ने वाली जयंती को वर्ल्ड स्टूडेंट डे के रूप में मनाया जाना तय हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया के विकास में, दुनिया की बेहतरी में, छात्रों के योगदान को रेखांकित करना था। इस साल यानी 15 अक्टूबर 2024 को 15वां विश्व छात्र दिवस मनाया जायेगा। वास्तव में भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को याद करने का सबसे बेहतर तरीका यही है। मिसाइल मैन के नाम से जाने जाने वाले एपीजे अब्दुल कलाम महान वैज्ञानिक होने के साथ साथ महान शिक्षक भी थे। भारत की विभिन्न सरकारों के साथ वैज्ञानिक सलाहकार रहने के बाद जब वह राष्ट्रपति बने और राष्ट्रपति पद से रिटायर हुए थे, तो उन्होंने यही आकांक्षा जताई थी कि वह अब सिर्फ छात्रों के बीच रहना चाहते हैं। वह छात्रों को पढ़ाना चाहते हैं। इससे समझा जा सकता है कि छात्रों के प्रति उनके मन में कितना प्यार था और पढ़ाने को वो कितना सम्मानजनक मानते थे। इसलिए जब विश्व छात्र दिवस मनाए जाने की योजना बनी तो इसके लिए एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती से बेहतर कोई दूसरा दिन हो ही नहीं सकता था। अपनी सरकार के गिरने से पहले बीजेपी के तानों से तंग आ कर कि वो एक कमजोर प्रधानमंत्री है, इंदर कुमार गुजराल ने तय किया कि वो भारतवासियों और दुनिया वालों को बताएंगे कि वो भारतीय सुरक्षा को कितनी ज्यादा तरजीह देते हैं। उन्होंने मिसाइल मैन के नाम से मशहूर एपीजे अब्दुल कलाम को भारत रत्न से सम्मानित करने का फैसला लिया। इससे पहले 1952 में सी वी रमण के छोड़कर किसी वैज्ञानिक को इस पुरस्कार के लायक नहीं समझा गया था। 1 मार्च , 1998 को राष्ट्रपति भवन में भारत रत्न के पुरस्कार वितरण समारोह में कलाम नर्वस थे और अपनी नीली धारी की टाई को बार बार छू कर देख रहे थे। कलाम को इस तरह के औपचारिक मौकों से चिढ़ थी जहां उन्हें उस तरह के कपड़े पहनने पड़ते थे जिसमें वो अपनेआप को कभी सहज नहीं पाते थे। सूट पहनना उन्हें कभी रास नहीं आया। यहां तक कि वो चमड़े के जूतों की जगह हमेशा स्पोर्ट्स शू पहनना ही पसंद करते थे। भारत रत्न का सम्मान गृहण करने के बाद उन्हें सबसे पहले बधाई देने वालों में से एक थे अटलबिहारी वाजपेई। वाजपेई की कलाम से पहली मुलाकात अगस्त, 1980 में हुई थी जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें और प्रोफेसर सतीश धवन को एसएलवी 3 के सफलतापूर्ण प्रक्षेपण के बाद प्रमुख सांसदों से मिलने के लिए बुलवाया था। कलाम को जब इस आमंत्रण की भनक मिली तो वो घबरा गए और धवन से बोले, सर मेरे पास न तो सूट है और न ही जूते। मेरे पास ले दे के मेरी चेर्पू है (चप्पल के लिए तमिल शब्द)। तब सतीश धवन ने मुस्कराते हुए उनसे कहा था, कलाम तुम पहले से ही सफलता का सूट पहने हुए हो। इसलिए हर हालत में वहां पहुंचो। मशहूर पत्रकार राज चेंगप्पा अपनी किताब वेपेंस ऑफ पीस में लिखते हैं, उस बैठक में जब इंदिरा गांधी ने कलाम का अटल बिहारी वाजपेई से परिचय कराया तो उन्होंने कलाम से हाथ मिलाने की बजाए उन्हें गले लगा लिया। ये देखते ही इंदिरा गांधी शरारती ढंग से मुस्कराई और उन्होंने वाजपेई की चुटकी लेते हुए कहा, अटलजी लेकिन कलाम मुसलमान हैं। तब वाजपेई ने जवाब दिया, जी हां लेकिन वो भारतीय पहले हैं और एक महान वैज्ञानिक हैं। 18 दिन बाद जब वाजपेई दूसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने कलाम को अपने मंत्रिमंडल में शामिल होने का न्योता दिया। अगर कलाम इसके लिए राजी हो जाते तो वाजपेई को न सिर्फ़ एक काबिल मंत्री मिलता बल्कि पूरे भारत के मुसलमानों को ये संदेश जाता कि उनकी बीजेपी की सरकार में अनदेखी नहीं की जाएगी। कलाम ने इस प्रस्ताव पर पूरे एक दिन विचार किया। अगले दिन उन्होंने वाजपेई से मिल कर बहुत विनम्रतापूर्वक इस पद को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि रक्षा शोध और परमाणु परीक्षण कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। वो अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों को निभा कर देश की बेहतर सेवा कर सकते हैं। 10 जून, 2002 को एपीजे अब्दुल कलाम को अन्ना विश्वविद्यलय के कुलपति डाक्टर कलानिधि का संदेश मिला कि प्रधानमंत्री कार्यालय उनसे संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। इसलिए आप तुरंत कुलपति के दफ़्तर चले आइए ताकि प्रधानमंत्री से आपकी बात हो सके। जैसे ही उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय से कनेक्ट किया गया, वाजपेई फोन पर आए और बोले, कलाम साहब देश को राष्ट्रपति के रूप में आप की जरूरत है। कलाम ने वाजपेई को धन्यवाद दिया और कहा कि इस पेशकश पर विचार करने के लिए मुझे एक घंटे का समय चाहिए। वाजपेई ने कहा, आप समय जरूर ले लीजिए। लेकिन मुझे आपसे हां चाहिए। ना नहीं। शाम तक एनडीए के संयोजक जॉर्ज फर्नान्डेस, संसदीय कार्य मंत्री प्रमोद महाजन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर कलाम की उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया। जब डाक्टर कलाम दिल्ली पहुंचे तो हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नान्डेस ने उनका स्वागत किया। कलाम ने एशियाड विलेज में डीआरडीओ गेस्ट हाउज में रहना पसंद किया। 18 जून, 2002 को कलाम ने अटलबिहारी वाजपेई और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों का उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पर्चा भरते समय वाजपेई ने उनके साथ मजाक किया कि आप भी मेरी तरह कुंवारे हैं तो कलाम ने ठहाकों के बीच जवाब दिया, प्रधानमंत्री महोदय मैं न सिर्फ़ कुंवारा हूं बल्कि ब्रह्मचारी भी हूं। कलाम के राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे बड़ी समस्या ये आई कि वो पहनेगें क्या ? बरसों से नीली कमीज और स्पोर्ट्स शू पहन रहे कलाम राष्ट्रपति के रूप में तो वो सब पहन नहीं सकते थे। राष्ट्रपति भवन का एक दर्ज़ी था जिसने पिछले कई राष्ट्रपतियों के सूट सिले थे। एक दिन आ कर उसने डाक्टर कलाम की भी नाप ले डाली। कलाम के जीवनीकार और सहयोगी अरुण तिवारी अपनी किताब एपीजे अब्दुल कलाम अ लाइफ में लिखते हैं, कुछ दिनों बाद दर्ज़ी कलाम के लिए चार नए बंदगले के सूट सिल कर ले आया। कुछ ही मिनटों में हमेशा लापरवाही से कपड़े पहनने वाले कलाम की काया ही बदल गई। लेकिन कलाम इससे खुद खुश नहीं थे। उन्होंने मुझसे कहा, मैं तो इसमें सांस ही नहीं ले सकता। क्या इसके कट में कोई परिवर्तन किया जा सकता है ? परेशान दर्ज़ी सोचते रहे कि क्या किया जाए। कलाम ने खुद ही सलाह दी कि इसे आप गर्दन के पास से थोड़ा काट दीजिए। इसके बाद से कलाम के इस कट के सूट को कलाम सूट कहा जाने लगा। नए राष्ट्रपति को टाई पहनने से भी नफरत थी। बंद गले के सूट की तरह टाई से भी उनका दम घुटता था। एक बार मैंने उन्हें अपनी टाई से अपना चश्मा साफ करते हुए देखा। मैंने उनसे कहा कि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। उनका जवाब था, टाई पूरी तरह से उद्देश्यहीन वस्त्र है। कम से कम मैं इसका कुछ तो इस्तेमाल कर रहा हूं। डाक्टर कलाम के प्रेस सचिव रहे एस एम खां ने मुझे बताया था, वो वॉक करना भी पसंद करते थे, वो भी सुबह दस बजे या दोपहर चार बजे। वो अपना नाश्ता सुबह साढ़े दस बजे लेते थे। इसलिए उनके लंच में देरी हो जाती थी। उनका लंच दोपहर साढ़े चार बजे होता था और डिनर अक्सर रात 12 बजे के बाद। डाक्टर कलाम धार्मिक मुसलमान थे और हर दिन सुबह यानि फज्र की नमाज पढ़ा करते थे। मैंने अक्सर उन्हें कुरान और गीता पढ़ते हुए भी देखा था। वो स्वामी थिरुवल्लुवर के उपदेशों की किताब थिरुक्कुरल तमिल में पढ़ा करते थे। वो पक्के शाकाहारी थे और शराब से उनका दूर दूर का वास्ता नहीं था। पूरे देश में निर्देश भेज दिए गए थे कि वो जहां भी ठहरे उन्हें सादा शाकाहारी खाना ही परोसा जाए। उनको महामहिम या हिज एक्सलेंसी कहलाना भी कतई पसंद नहीं था। अपने परिवार को राष्ट्रपति भवन में ठहराने के लिए कलाम ने काटा साढ़े तीन लाख का चेक

डाक्टर कलाम को अपने बड़े भाई एपीजे मुत्थू मराइकयार से बहुत प्यार था। लेकिन उन्होंने कभी उन्हें अपने साथ राष्ट्रपति भवन में रहने के लिए नहीं कहा। उनके भाई का पोता गुलाम मोइनुद्दीन उस समय दिल्ली में काम कर रहा था जब कलाम भारत के राष्ट्रपति थे। लेकिन वो तब भी मुनिरका में किराए के एक कमरे में रहा करता था। मई 2006 में कलाम ने अपने परिवार के करीब 52 लोगों को दिल्ली आमंत्रित किया। ये लोग आठ दिन तक राष्ट्रपति भवन में रुके । कलाम के सचिव रहे पीएम नायर ने मुझे बताया था, कलाम ने उनके राष्ट्रपति भवन में रुकने का किराया अपनी जेब से दिया। यहां तक कि एक प्याली चाय तक का भी हिसाब रखा गया। वो लोग एक बस में अजमेर शरीफ भी गए जिसका किराया कलाम ने भरा। उनके जाने के बाद कलाम ने अपने अकाउंट से तीन लाख बावन हजार रुपयों का चेक काट कर राष्ट्रपति भवन कार्यालय को भेजा। दिसंबर 2005 में उनके बड़े भाई एपीजे मुत्थू मराइकयार, उनकी बेटी नाजिमा और उनका पोता गुलाम हज करने मक्का गए। जब सऊदी अरब में भारत के राजदूत को इस बारे में पता चला तो उन्होंने राष्ट्रपति को फोन कर परिवार को हर तरह की मदद देने की पेशकश की। कलाम का जवाब था, मेरा आपसे यही अनुरोध है कि मेरे 90 साल के भाई को बिना किसी सरकारी व्यवस्था के एक आम तीर्थयात्री की तरह हज करने दें। नायर ने मुझे एक और दिलचस्प किस्सा सुनाया। एक बार नवंबर, 2002 में कलाम ने मुझे बुला कर पूछा, ये बताइए कि हम इफ़्तार भोज का आयोजन क्यों करें ? वैसे भी यहां आमंत्रित लोग खाते पीते लोग होते हैं। आप इफ़्तार पर कितना खर्च करते हैं। राष्ट्रपति भवन के आतिथ्य विभाग को फोन लगाया गया।

कोरियाई साहित्य में नारीवाद और संवेदनाओं का अन्वेषण

दक्षिण कोरिया के लिए वर्ष 2024 अत्यंत खुशी और गौरव का समाचार लेकर आया है। पहली बार दक्षिण कोरिया के किसी भी रचनाकार ने साहित्य का नोबेल पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार अपेक्षाकृत काफी युवा महिला रचनाकार हान कांग (खांग) ने जीता है।

हान कांग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रसिद्ध लेखिका हैं। मात्र 45 वर्ष की आयु में उन्हें, 2016 में उनके उपन्यास द वेजिटेरियन (शाकाहारी) के लिए मैन बुकर इंटरनेशनल पुरस्कार मिला था। इस तरह वे यह पुरस्कार पाने वाली एकमात्र कोरियाई लेखिका बनी थीं। वर्ष 2005 में स्थापित, द मैन बुकर इंटरनेशनल पुरस्कार ब्रिटेन के बुकर पुरस्कार का अंतर्राष्ट्रीय समकक्ष है। हां, 2016 में पहली बार यह पुरस्कार लेखक और अनुवादक (एक युवा महिला डेबोरा स्मिथ- जिन्होंने पुरस्कार से तीन साल पहले कोरियाई सीखी थी) को संयुक्त रूप से दिया गया। उनकी रचनाओं का अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी आदि सहित 13 से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है। उन्हें मिले पुरस्कारों में टुडेज यंग आर्टिस्ट अवार्ड (2000), कोरियन लिटरेचर नॉवेल अवार्ड (1999) और मनहे लिटरेरी अवार्ड भी सम्मिलित हैं। वह सियोल इंस्टीट्यूट ऑफ द आर्ट्स में रचनात्मक लेखन पढ़ाती हैं।

रचनाकार हान कांग का जन्म नवंबर, 1970 में दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में हुआ था और दस साल की उम्र में वे सियोल चली गई थीं। हान कांग का संबंध लेखकों के परिवार से है। वे उपन्यासकार हान सेउंग-वोन की बेटी हैं और उनके भाई हान डोंग रिम भी एक लेखक हैं। हान का साहित्यिक कैरियर तब शुरू हुआ जब उन्होंने 1993 में लिटरेचर एंड सोसायटी के शीतकालीन अंक में विंटर इन सियोल सहित पांच कविताएं प्रकाशित कीं। उनके उपन्यासों के कैरियर की शुरूआत 1994 में हुई, जब उन्होंने अपनी रचना रेड एंकर के लिए सियोल शिनमुन स्प्रिंग लिटरेरी कॉन्टेस्ट जीता। उनका पहला संग्रह, लव ऑफ योसु 1995 में प्रकाशित हुआ था। 1998 में, कोरिया में प्रकाशित उनकी रचनाओं में फ्रूट्स ऑफ माई वूमन (2000) शामिल हैं; उपन्यास जिनमें द ब्लैक डियर (1998), योर कोल्ड हैंड (2002), द वेजिटेरियन (2007), ब्रीथ फाइटिंग (2010), ग्रीक लेसन (2011) शामिल हैं। हान कांग एक कवि, कथाकार और उपन्यासकार हैं। हान एक संगीतकार भी हैं। द वेजिटेरियन हान की पहली कृति थी जिस पर फीचर फिल्म बनाई गई थी।

वर्ष 2007 में पहली बार कोरियाई में प्रकाशित द वेजिटेरियन (शाकाहारी) हान कांग द्वारा लिखित तीन भागों का एक उपन्यास या नाटक लघु उपन्यास है। यह योंग-े की कहानी है, जो एक कर्तव्यनिष्ठ पत्नी है, जिसका मांस खाने से इनकार करने का फैसला उसके पूरे अस्तित्व को तहस-नहस कर देता है। हान ने कहा कि यह किताब एक ऐसी महिला के विचार से प्रेरित है जो अब मानव जाति से संबंधित नहीं होना चाहती थी और यह उनकी 1997 की लघु कहानी एक महिला जो वास्तव में एक फल में बदल जाती है पर आधारित है। लेखिका ने कहा कि वह मानव हिंसा का पता लगाना चाहती थी, और साथ ही मानवीय गरिमा के बारे में एक सवाल पूछना चाहती थी।

मेरी राय में उपन्यास द वेजिटेरियन या शाकाहारी की जटिलता और दार्शनिक दृष्टि को समझने की जड़ें इसके लेखक के निजी जीवन के कुछ ज्ञात पहलुओं में निहित हैं, जो उसने खुद और उनके बारे में दूसरों द्वारा बताए गए हैं। हान कांग के शब्दों में, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैं स्वतंत्र पीढ़ी से हूं = एक ऐसी पीढ़ी जिसे सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत नहीं थी। एक साक्षात्कार में उन्होंने खुलासा किया है कि अपने 20 के दशक में वह शाकाहारी थी और कुछ समय बाद उसने शारीरिक कारणों से थोड़ा मांस खाना शुरू कर दिया, लेकिन अपराध बोध के साथ। अपने 20 के दशक में उसने बौद्ध धर्म में अपने प्रश्न के उत्तर की तलाश की, लेकिन इससे तभी पीछे हटी जब वह अपने 30 के दशक में जोड़ों की रहस्यमय समस्या से ग्रसित हो गई, जिससे उसके हाथ इतने दर्द के मारे हो गए कि वह मुश्किल से उनका उपयोग कर पाती थीं। तीन साल तक वह केवल अपने की-बोर्ड पर कलम से टैप करके लिख सकती थी। ज्यादातर लोग बीमार होने पर धर्म की ओर रुख करते हैं, वह कहती है, लेकिन मेरे लिए यह विपरीत था। द वेजिटेरियन में इस अनुभव की छाया देखना मुश्किल नहीं है, जिसमें एक युवा महिला, योंग-े अपने शरीर को अस्वीकार करती है, मानो समाज द्वारा उसके साथ की गई हिंसा को मिटाने की कोशिश कर रही हो।

यह उपन्यास आधुनिक काल में कोरियाई परिवारों और सामाजिक व्यवस्था के अंतर्विरोधों का गहन अध्ययन है। इसमें तथाकथित कोरियाई शिष्टाचार के नाम पर रिश्तों में क्रूरता, अमानवीयता, शोषण, प्रतिशोध और ऐसे ही अन्य व्यवहारों को दशार्या गया है। खास तौर पर, पुरुष-नियंत्रित समाज में एक इंसान या व्यक्ति के रूप में महिलाओं की अपनी पहचान, सम्मान, समानता और सशक्तीकरण के संकट को बहुत ही सशक्त छवियों में दशार्या गया है। लेखिका ने अपनी शक्तिशाली, गहरी और सूक्ष्म अवलोकन-क्षमता के कारण स्थितियों का गहन वर्णन किया है। वह आंतरिक भावनाओं और बाहरी क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं दोनों को चित्रित करने में माहिर हैं।

पिछले वर्षों में कम से कम दो कोरियाई रचनाकारों को नोबेल पुरस्कार दिए जाने की कोरियाई इच्छा गुंजित होती रही है। इनमें एक अधिनायकवाद के विरुद्ध सशक्त उपन्यास खलनायक (राजकमल द्वारा प्रकाशित आवर ट्विस्टेड हीरो का दिविक रमेश द्वारा हिंदी में अनूदित) लिखने वाले वरिष्ठ और प्रतिष्ठित लेखक यी मुन योल तथा दूसरे कोरिया के एकीकरण के बड़े चहेते वयोवृद्ध प्रतिष्ठित कवि गो उन हैं।

भारत में साइंस में नोबेल का सूखा 94 साल से नहीं मिला अवॉर्ड

नोबेल पुरस्कार का सीजन आ गया है। 1901 में शुरू हुए इस सम्मान को अब तक सिर्फ 12 भारतीय मूल के लोगों ने जीता है, जिनमें से केवल 5 भारतीय नागरिक थे। इनमें से डॉ. सी.वी. रमन ही एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में यह पुरस्कार जीता है। उन्हें 1930 में भौतिकी में रमन प्रभाव की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला था। रमन की उपलब्धि के बाद से 94 साल का अंतर चिंता का विषय है, खासकर तब जब कई भारतीय वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण खोजें की हैं जिन्हें पहचान नहीं मिली। भविष्य में भारतीय वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार के लिए तैयार करने के लिए, हमें ऐसा माहौल बनाने के लिए अभी से कदम उठाने होंगे जहां अभूतपूर्व रिसर्च को बढ़ावा मिले।

विज्ञान सभी तकनीकी प्रगति की नींव है। आज हर कोई जिस मोबाइल फोन का उपयोग करता है, वह कम से कम एक दर्जन नोबेल पुरस्कार विजेता खोजों के बिना संभव नहीं होता। चाहे वह ट्रांजिस्टर (1956, भौतिकी) हो, या लेजर तकनीक (1964, भौतिकी), सूचना सिद्धांत (1965, भौतिकी), इंटीग्रेटेड सर्किट (2000, भौतिकी), संचालक पॉलिमर (2000, रसायन विज्ञान), सेमीकंडक्टर हेट्रोस्ट्रक्चर (2000, भौतिकी), फाइबर ऑप्टिक्स (2009, भौतिकी), छएऊ तकनीक (2014, भौतिकी), लिथियम-आयन बैटरी (2019, रसायन विज्ञान)। इनमें से प्रत्येक खोज और इलेक्ट्रॉनिक्स में आज जो आधुनिक क्रांति देखते हैं, उसके लिए जरूरी थीं। नोबेल पुरस्कार अक्सर उन मौलिक योगदानों को सम्मानित करते हैं जो अध्ययन के पूरे क्षेत्रों को बदल देते हैं। मूलभूत अनुसंधान में एक मजबूत नींव उन तकनीकों को अनलॉक कर सकती है जो उन उद्योगों को बदल देती हैं जो आज की डिजिटल दुनिया को चलाती हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, भारत को वैज्ञानिक प्रतिभा की शुरूआती पहचान करने और उसका पोषण करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। स्कॉलरशिप, मजबूत सार्वजनिक कार्यक्रम और रिसर्च के अवसर यह सुनिश्चित करेंगे कि होनहार युवा दिमागों का विकास हो। हमें स्कूलों में ही प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान के लिए जरूरी पहल शुरू करने के अलावा किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना जैसी योजनाओं को पुनर्जीवित और बड़े पैमाने पर शुरू करने की जरूरत है। वैश्विक मानकों की तुलना में भारत का वैज्ञानिक समुदाय काफी छोटा है। प्रति दस लाख लोगों पर केवल 260 वैज्ञानिकों के साथ, भारत शोधकताओं के मामले में विश्व स्तर पर 81वें स्थान पर है। इसके विपरीत, अमेरिका और यूके जैसे देशों में प्रति दस लाख पर 4,000 से ज्यादा वैज्ञानिक हैं। नोबेल जीतने की भारत की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए, शोधकताओं की संख्या को बढ़ाना होगा। इसके लिए प्रतिभा को बनाए रखने और ब्रेन ड्रेन को रोकने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता होगी। कई होनहार भारतीय वैज्ञानिक अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, कम वेतन और घर पर सीमित करियर की संभावनाओं के कारण बेहतर अवसरों के लिए विदेश चले जाते हैं। पुरस्कारों और मान्यता के माध्यम से उच्च प्रदर्शन वाले वैज्ञानिकों के लिए वित्तीय प्रोत्साहनों को हटाना एक गलत कदम है। अन्य व्यवसायों के विपरीत, विज्ञान की वैश्विक प्रकृति का अर्थ है कि वैज्ञानिकों को, उनके स्थान की परवाह किए बिना, अपने काम को मान्यता और स्वीकृति मिलने के लिए दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। अमेरिका ने विज्ञान में भारी निवेश किया है और वह इसका फल पा रहा है। अब उसके पास किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं ज्यादा नोबेल हैं। वहीं भारत में वैज्ञानिक रिसर्च के लिए फंडिंग अन्य ब्रिक्स देशों की तुलना में भी कम है। नोबेल स्तर की खोजों को बढ़ावा देने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र, दोनों की ओर से रिसर्च और विकास निधि के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता की जरूरत है। भारत को अपने उत्कृष्टता केंद्रों का समर्थन करने और नए केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जहां अत्याधुनिक रिसर्च फल-फूल सके।

कई नोबेल पुरस्कार विजेताओं की रिसर्च और खोज अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वजह से ही संभव हो पाई। भारत को अपने प्रतिभाशाली दिमागों को दुनिया भर के प्रमुख वैज्ञानिकों, जिनमें नोबेल पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं, के साथ काम करने में सक्षम बनाकर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए। हमें अपने युवा वैज्ञानिकों और छात्रों को दुनिया भर के शीर्ष अनुसंधान समूहों और नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ इंटर्नशिप करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 1000 स्कॉलर प्रोग्राम शुरू करने की जरूरत है।

सहारनपुर का हवाई अड्डा उड़ानों के लिए तैयार

सहारनपुर और पड़ोसी जनपदों के लोगों को हवाई यात्रा के लिए बड़ी सुविधा प्राप्त होगी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। सहारनपुर के सरसावा में हवाई अड्डा बनकर तैयार हो गया है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि उद्घाटन की तारीख अभी नहीं मिली है। सहारनपुर और पड़ोसी जनपदों के लोगों को हवाई यात्रा के लिए इस हवाई अड्डे के शुरू हो जाने से बाद बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। इसके निर्माण पर करीब 38 करोड़ रूपया खर्च हुआ है। 28 करोड़ रूपए एन्क्लेव के भवन आदि पर और 10 करोड़ रूपए हवाई जहाजों के खड़ा होने के प्लेटफार्म और रन-वे पर खर्च हुआ है। अभी हवाई यात्रा के लिए नागरिकों को देहरादून और दिल्ली से जहाज पकड़ने पड़ते हैं। सरसावा में पहले से ही पेनाका हवाई अड्डा स्थित है। इस हवाई अड्डे पर वीआईपी लोगों को जरूर हवाई जहाज और हेलीकाप्टर आदि से आने-जाने की सुविधा प्राप्त है लेकिन नागरिकों को यह सुविधा प्राप्त नहीं है।

19 अक्टूबर को होगा मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का एक दिवसीय जिला स्तरीय सम्मेलन

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, मध्य प्रदेश में प्रथम दर्जा प्राप्त मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के संस्थापक सलभ भदौरिया दद्दा जी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपूर्ण मध्य प्रदेश के सभी जिलों में प्रदेश, संभाग एवम जिला स्तरीय सम्मेलन को लेकर दद्दा जी द्वारा प्रदेश के सभी पत्रकारों के हित में जो सराहनीय कार्य किया जाता है वह प्रदेश के पत्रकारों के लिए बड़ा ही गर्व का विषय है। आगामी 19 अक्टूबर को मां शारदा की पावन पवित्र नगरी मैहर में एक दिवसीय जिला स्तरीय आयोजन होने जा रहा है जिसमें मैहर जिले के अलावा आसपास के अन्य जिलों के सैकड़ो पत्रकार सम्मेलन में सम्मिलित होगे।

कार्य स्थल मैहर इन होटल में पहुंच कर प्रदेश कार्यकारी टीम ने किया निरीक्षण मैहर जिला इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम को लेकर मैहर इन होटल में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की तैयारी को लेकर प्रदेश कार्यकारी टीम के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मो. अली एवम अनिल त्रिपाठी ने मैहर इन होटल में पहुंच कर कार्यस्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मैहर जिला इकाई की बैठक कर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मो अली एवम अनिल कुमार त्रिपाठी ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम के आयोजक मनोज कुमार मिश्रा जिला अध्यक्ष मैहर एवम जिला इकाई के सभी पदाधिकारियो के साथ आवश्यक बैठक में आयोजित कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर आवश्यक दिशा निर्देश देकर मार्गदर्शन किया गया।

19 अक्टूबर को स्पेशल ट्रेन में भोपाल से मैहर प्रातः पहुंचेंगे प्रांताध्यक्ष प्रांताध्यक्ष जी का आगामी मैहर दौरा को लेकर मैहर जिला महासचिव बद्री पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 अक्टूबर को होने वाले सम्मेलन में हमारे मुखिया दद्दा जी के साथ प्रदेश कार्यकारी टीम का आगमन स्पेशल ट्रेन में रानी कमलापति स्टेशन भोपाल से दिनांक 18/10/24 को मैहर के लिए रवाना होकर दिनांक 19/10/24 को प्रातः मैहर पहुंचेंगे। जिनके स्वागत मे मैहर जिला इकाई के समस्त पदाधिकारी द्वारा पुष्प माला अर्पित कर गाजे बाजे के साथ स्वागत किया जाएगा। तत्पश्चात हमारा जत्था स्टेशन से नियोजित होटल में पहुंच कर विश्राम के पश्चात कार्यक्रम में शामिल होगा।

सायं 3:00 तक होगा कार्यक्रम का समापन प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यक्रम का मुख्य दायित्व प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य श्रीनिवास चतुर्वेदी (लल्लू महाराज) के देख रेख में सौंपा गया है। जिस कार्यक्रम के समय निर्धारण को लेकर लल्लू महाराज ने बताया कि कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे से सायं 3:00 बजे तक समापन किया जाएगा

कार्यक्रम के समापन के पश्चात नागौद के लिए रवाना होंगे प्रांताध्यक्ष मैहर के पश्चात 20 अक्टूबर को ही सतना जिले के नागौद में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन होगा जिस कार्यक्रम में प्रांताध्यक्ष सलभ भदोरिया कार्यक्रम के समापन के पश्चात मैहर से नागौद के लिए बाय रोड रवाना होकर कार्यक्रम में होंगे शामिल।

देवबंद में भायला रोड़ पर उप्रः राज्य सेतु निगम लि. द्वारा बनाए जा रहे 02 रेल उपरगामी सेतु

राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने मार्ग के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । देवबंद, देवबंद में भायला रोड़ पर रेलवे स्टेशन के निकट उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लि. द्वारा बनाए जा रहे 745.87 मीटर लंबाई वाले 02 रेल उपरगामी सेतु एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भूमि पूजन लोक निर्माण विभाग राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह द्वारा किया गया। इस सेतु का निर्माण ?45 करोड़ 87 लाख 37 हजार की लागत से देवबंद-नानौता सड़क मार्ग पर होगा। जिससे क्षेत्र में यातायात सुगम होगा तथा क्षेत्र के विकास क्रम को बढ़ावा मिलेगा।शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच लोक निर्माण विभाग राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि आज सरकार पर आरोप लगाने वाले बताएं की 2014 से पूर्व 10 साल तक लगातार सरकार में उन्होंने क्या किया। प्रदेश में 2017 से पूर्व की सरकारों ने प्रदेश व क्षेत्र के विकास में कितना कार्य किया। आज देवबंद विधानसभा में सड़कों का निर्माण चौड़ीकरण कर किया जा रहा है। आवागमन के लिए लिए क्षेत्र वासियों की सुविधाओं एवं सुलभता का कार्य किया जा रहा है। चारो और सड़कों का जाल और अन्य विकास कार्यों से आज देवबंद विधानसभा के क्षेत्रवासी पूर्व की सरकारों में और आज फर्क महसूस कर रहे है। उन्होंने परिवारवाद और भ्रष्टाचार में डूबे हुए विपक्षी पार्टियों पर विकास से दूर केवल लोगों को बांटने एवं तुष्टिकरण करने का आरोप लगाया। इस अवसर पर रेलवे विभाग के उच्च अधिकारी गण एवं राज्य सेतु निगम लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देवबंद ब्लॉक प्रमुख विजय त्यागी, देवबंद नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गर्ग, जिला उपाध्यक्ष यशवंत राणा, शिवराज सिंह रोड, कुलदीप सैनी, नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, देहात मंडल अध्यक्ष सोनित कश्यप, मंडल अध्यक्ष राहुल वीरपुर, बड़गांव मंडल अध्यक्ष रविंद्र राणा, रणवीर, गन्ना विकास समिति अध्यक्ष प्रत्याशी डॉक्टर उपेंद्र सिंह, प्रधान मोनू बंदरजुड़्ड़ा, अजब सिंह पुंडीर, राम मोहन सैनी, अजय गर्ग, पवन धीमान आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नियमानुसार बिक्री न करने पर उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध होगी कार्यवाही

सहारनपुर जनपद में यूरिया तथा अन्य उर्वरको की पर्याप्त उपलब्धता मिली

यूरिया की 1337.40 मीट्रिक टन की रैक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के निर्देशों के अनुपालन में जिला कृषि अधिकारी कपिल कुमार मावी ने बताया कि रबी अभियान के तहत कृषको को सुगमतापूर्वक निर्धारित दरों पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद को यूरिया की 1304.40 मीट्रिक टन की एक रैंक प्राप्त हुई है जिसकी सूचना उप क्षेत्र प्रबन्धक इफको द्वारा दी गयी है। यूरिया का भंडारण पी0सी0एफ0 के बफर गोदाम अम्बाला रोड में करते हुए मांग के अनुसार सभी समितियों पर सहकारिता विभाग एवं गन्ना विभाग द्वारा तत्काल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसका वितरण शासन के निर्धारित शासनादेशों के अनुसार किसानों को उनकी जोत के आधार पर ही किया जाना है। जनपद में यूरिया की उपलब्धता 19505.995 मीट्रिक टन, डी0ए0पी0 की उपलब्धता 3822.125 मीट्रिक टन, एन0पी0के0 की उपलब्धता 3190.875 मीट्रिक टन तथा एस0एस0पी0 की उपलब्धता 2858.690 मीट्रिक टन है। कृषक बंधु फसलों के अनुसार ही उर्वरको की संतुलित मात्रा का प्रयोग करें। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहे। साथ ही कृषकों को अवगत कराया जाता है प्रीपोंजिशनिंग में उपलब्ध मात्रा डी0ए0पी, एन0पी0के0 का आवंटन सहकारिता विभाग द्वारा कराकर सभी समितियों पर अतिरिक्त उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी भी समिति में उर्वरक की कोई कमी नही है। वर्तमान में रबी अभियान के तहत कृषक बंधुओं द्वारा सरसों की बुवाई की जा रही है। बुवाई में किसान भाई एस0एस0पी0 का प्रयोग अधिक से अधिक करें जिससे भूमि को अन्य तत्वों के साथ सल्फर भी मिल सकें। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरक बिक्री पर अनिवार्य रूप से कैश मैमो देने व पी0ओ0एस0 मशीन से उर्वरक बिक्री के साथ-साथ स्टॉक एवं सेल रजिस्टर को अपडेट रखने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी कृषकों का पी0ओ0एस0 मशीन उनकी जोत के अनुसार उर्वरक देने को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जनपद के किसी भी उर्वरक बिक्री केन्द्र पर आई0एफ0एम0एस0 पोर्टल में उपलब्ध सम्भार एवं बिक्री केन्द्र पर उपलब्ध सम्भार में भिन्नता या अनियमितता पायी जाती है तो उस उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध जॉचोपरान्त उर्वरक नियन्त्रण आदेश 1985/उर्वरक संचलन आदेश 1973 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

बेसहारा भटकती महिला को रेस्क्यू कर कोतवाली पुलिस ने दिया सहारा

विक्षिप्त होने से पुलिस कर रही पतासाजी

अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर उर रहमान को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बम्हनी (पुलिस चौकी फुनगा थाना भालूमाडा) क्षेत्र में एक विक्षिप्त महिला बेसहारा भटकती देखी गई है, जिन्होंने तत्काल थाना प्रभारी कोतवाली टी. आई.अरविंद जैन को महिला को रेस्क्यू कर सहारा दिए जाने हेतु आदेशित किया।
थाना कोतवाली से महिला सहायक उप निरीक्षक हुरननिशा एवं आरक्षक कपिल सोलंकी के द्वारा ग्राम बम्हनी और उसके बाद ग्राम छिल्पा में तलाश कर भटकती हुई बेसहारा महिला को रेस्क्यू किया जाकर सुरक्षित थाना कोतवाली लाया गया एवं भोजन पानी आदि व्यवस्था के उपरांत महिला को वन स्टाफ केंद्र अनूपपुर में दाखिल कराया गया है। महिला जिसकी उम्र करीब 30 से 35 वर्ष है, ठीक ढंग से अपना नाम पता नहीं बता पा रही है। कोतवाली पुलिस पुलिस द्वारा उक्त अज्ञात महिला के नाम पता जानने के प्रयास किए जा रहें हैं। कोतवाली टी.आई.अरविंद जैन द्वारा अपील की गई है कि उक्त महिला के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी मिलने पर थाना कोतवाली को सूचित करें जिससे महिला को उसके परिजनों तक पहुंचा जा सके।

लिटिल स्टेप्स स्कूल के बच्चो को लाने ले जाने में संलग्न इको वेन के चालक पर शराब के नशे में पाए जाने पर हुई कार्रवाई

सुशिल सोनी | सिटी चीफ | अमरकंटक, अमरकंटक तिराहा पर वाहन चेकिंग दौरान स्कूल वेन तेज गति से जा रही थी, वेन को यातायात पुलिस द्वारा रोककर चालक सोनू दाहिया को ब्रईथ एनालाइजर से चेक किया गया , जो चालक शराब के नशे मे वाहन चलाते पाया गया, वाहन के दस्तावेज चेक करने पर वाहन बिना परमिट पाया गया। चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धारा अंतर्गत प्रकरण तैयार किया गया। जिसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

खतौनी में खातेदारों एवं सहखातेदारों के गाटों के अंश निर्धारण में हुई अविवादित त्रुटियों एवं लोप को करें ठीक

31 दिसम्बर तक अभियान चलाकर कार्य करें पूर्ण - मण्डलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने मण्डल के तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि खतौनी में अंश निर्धारण के संबंध में अविवादित त्रुटियों एवं लोप को सही कराने के संबंध में अभियान चलाकर 31 दिसम्बर 2024 तक कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने निर्देश दिए कि जनपद स्तर से कृत कार्यवाही की मासिक प्रगति पोर्टल पर दर्ज कराते हुए माननीय राजस्व परिषद उ0प्र0 लखनऊ को अवगत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे विवादित प्रकरण जिनका निस्तारण उपजिलाधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 38(2) के तहत हितबद्ध पक्षों को सुनकर किया जाना है, जिसकी समीक्षा हेतु पृथक से माननीय राजस्व परिषद उ0प्र0 लखनऊ की वेबसाइट पर एक प्रारूप विकसित किया जाएगा। जिसका पाक्षिक स्तर पर अनुश्रवण एवं समीक्षा माननीय राजस्व परिषद उ0प्र0 लखनऊ, मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा की जाएगी। अवगत कराना है कि वर्तमान में समस्त राजस्व खतौनियों को रियल टाइम खतौनियों में परिवर्तित करने के साथ ही खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण से अवशेष सह खातेदारों के गाटों में अंश निर्धारण का कार्य प्रगति पर है। जिन खातेदारों एवं सह खातेदारों के गाटों में अंश निर्धारण का कार्य किया जा चुका है उनमें त्रुटिपूर्ण अंश निर्धारण है।

शादी के प्रस्ताव से होगा 20 वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आगाज, कुल 5 नाटकों का होगा मंचन

4 दिवसीय आयोजन 16 अक्टूबर से, साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचन्द को समर्पित होगा दूसरा दिन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, नगर की प्रमुख नाट्य संस्था युवा नाट्य मंच द्वारा 20 वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन नगर के अस्पताल चौक स्तिथ मानस भवन प्रेक्षागृह में किया जा रहा है। 4 दिवसीय नाट्य समारोह का आयोजन 16 अक्टूबर से होगा और समापन 19 अक्टूबर को होगा। इस दौरान अलग अलग नाट्य समूह के कलाकारों द्वारा 5 नाटकों का मंचन किया जाएगा।आयोजन के द्वितीय दिवस प्रसिद्ध और आमजनमानस के साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद को समर्पित किया गया है जिस दिन मुंशी प्रेमचंद द्वारा दो नाटकों का मंचन किया जाएगा। आयोजन के संबंध में संस्था सचिव अनिल खरे ने जानकारी देते हुए बताया युवा नाट्य मंच दमोह द्वारा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किए जा रहे 20 वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह के प्रथम दिवस 16 अक्टूबर 2024 को युवा नाट्य मंच दमोह द्वारा लेखक अंतोन चेख़ब के नाटक शादी का प्रस्ताव का मंचन होगा जिसके निर्देशक राजीव अयाची है। समारोह के द्वितीय दिवस 17 अक्टूबर 2024 को मुंशी प्रेमचन द्वारा रचित दो नाटकों का मंचन होगा जिसमें प्रथम प्रस्तुति बड़े भाई साहब अन्वेषण थियेटर ग्रुप, सागर द्वारा होगा जिसके निर्देशक संतोष तिवारी है। द्वितीय प्रस्तुति युवा नाट्य मंच के द्वारा राजीव अयाची के निर्देशन में पंच परमेश्वर की प्रस्तुति होगी। समारोह के तृतीय दिवस 18 अक्टूबर 2024 को नट रंगभूमि थियेटर, मुंबई महाराष्ट्र द्वारा हास्य नाटक मटन मसाला चिली चिकन का मंचन होगा जिसकी लेखक विभा रानी और निर्देशक मनीष शिर्के है। समारोह के चतुर्थ और अंतिम दिवस 19 अक्टूबर 2024 को नाटक सर्दियों का फिर वही मौसम का मंचन चेतना रंगसमूह, भोपाल द्वारा किया जायेगा। इस नाटक के लेखक व निर्देशक आशीष श्रीवास्तव है। युवा नाट्य मंच के अध्यक्ष राजीव अयाची ने बताया कि नाटकों का मंचन प्रत्येक दिवस शाम 7 बजे से होगा, जिसमें दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रखा गया है

थाना करनपठार चौकी सरई स्टाफ के द्वारा ग्राम सरई में 45 पाव जीनियस शराब 06 बाटल वियर, 06 केन पावर बियर अवैध रूप से शराब बिक्री करते पकडा गया

सुशिल सोनी | सिटी चीफ | अनूपपुर, वरिष्ट अधिकारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्ग दर्शन में एवं उप निरी. संजय खलखो थाना प्रभारी थाना करनपठार के नेतृत्व में दिनांक 14/10/2024 को मुखबिर सूचना की तस्दीक कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ रवाना होकर ग्राम सरई पहुंच मन्ना नायक के घर का तलाशी लेने पर घर के अंदर 45 पाव जीनियस शराब 06 बाटल वियर, 06 केन पावर बियर अवैध रूप से रखे पाये गये जिसे थाना करनपठार चौकी सरई के द्वारा मौके पर समस्त कार्यवाही पश्चात जप्त कर अप. क्र. 168/2024, 169/2024 धारा 34(ए) आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है उक्त कार्यवाही में उप निरी. संजय खलखो, उप निरी. मंगला दुबे, प्रआर. 155 कृष्ण कुमार पटेल, प्र.आर.256 राजेश पाव , प्रआर. 79 कमल सिंह मसराम , आर. 362 विनोद जाटव , आर. 346 साहब सौर , म.आर.343 मंजू भट्ट के द्वारा कड़ी मेहनत कर कार्यवाही करने में अहम भूमिका रही।

महिलाओं के विरुद्ध हो रहे उत्पीड़न के मामलों को रोकने एवं महिला सुरक्षा प्रदान करने हेतु कॉंग्रेस ने विधायक के नाम सौंपा ज्ञापन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतन जैन के नेतृत्व में प्रदेश में महिला एवं बालिकाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न के मामले एवं बलात्कार में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर होने के कारण हमारे जिले की बहू बेटियां अपने आप को सुरक्षित महसूस करती हैं आज समस्त कांग्रेस जन एक जुट होकर स्थानीय विधायक जयंत मलैया के निवास पर महिलाओं के विरुद्ध हो रहे उत्पीड़न के मामलों को रोकने एवं महिला सुरक्षा प्रदान करने हेतु ज्ञापन देने के लिए पहुंचे । जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नचंद जैन ने कहा की महिलाओं के उत्पीड़न एवं बलात्कार के मामले में मध्य प्रदेश देश का पहला स्थान है जिस कारण से संपूर्ण प्रदेश में महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं भारतीय जनता पार्टी की सरकार से अनुरोध है कि तत्काल इस पर कठोर कार्रवाई की जाए जिससे महिला निडर होकर अपना जीवन व्यतीत कर सके पूर्व विधायक अजय टंडन ने कहा की सरकार की पहली प्राथमिकता महिला सुरक्षा होना चाहिए महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रजनी ठाकुर ने प्रदेश में हो रही बलात्कार की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए मोहन सरकार से आग्रह किया की तत्काल एक कानून व्यवस्था दुरुस्त की जाए इस अवसर पर किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नितिन मिश्रा ने ज्ञापन का वाचन किया वरिष्ठ कांग्रेस के नेता संजय चौरसिया, विजय बहादुर, सेवादल के अध्यक्ष वीरेन्द्र ठाकुर, पार्षद विक्रम ठाकुर, पप्पू कसोटिया, गोपाल रैकवार, अजय जाटव, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री कमला निषाद, मुकेश रोहितास, शैलेंद्र सिंह ठाकुर पार्षद, आशीष पटेल कार्यालय प्रभारी, दिनेश रैकवार, संदीप बर्दिया, अमित पटेल, धन सिंह राजपूत, अमित नामदेव एवं अन्य कांग्रेसी नेताओं की उपस्थिति रही। उक्त जानकारी कांग्रेस कार्यालय प्रभारी आशीष पटेल ने दी।

नव जागृति हायर सेकेण्डरी स्कूल दमोह द्वारा वसूल की गयी अनुचित 61 लाख रूपये अधिक फीस

वापस किए जाने के जारी आदेश हुए , अधिरोपित की गयी 2 लाख रूपये की शास्ति

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, नव जागृति हायर सेकेण्ड्री विद्यालय प्रबंधन द्वारा अनुचित फीस वृद्धि करके सत्र 2022-23 से सत्र 2024-25 तक 61 लाख 87 हजार 2 सौ 80 रूपये की अतिरिक्त राशि वसूल करने के आरोप में कलेक्टर एवं जिला समिति अध्यक्ष सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव जिला समिति एसके नेमा ने निजी विद्यालय फीस तथा संबंधित विषयों के विनियमन हेतु विद्यालय प्रबंधन द्वारा अनुचित रूप से वसूल की गयी फीस को 30 दिवस के भीतर विद्यार्थियों/अभिभावकों को वापस किए जाने के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेशानुसार अतिरिक्त विद्यालय प्रबंधन द्वारा अनुचित फीस वृद्धि करने, चयनित पुस्तक विक्रेताओं से पुस्तकें क्रय करने हेतु विद्यार्थियों/अभिभावकों को बाध्य किए जाने तथा म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं इसके अन्तर्गत निर्मित नियमों के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन किए जाने के फलस्वरूप विद्यालय प्रबंधन पर 2 लाख रूपए की शास्ति भी जिला समिति द्वारा अधिरोपित की गयी है। अधिरोपित शास्ति 15 दिवस के भीतर आयुक्त लोक शिक्षण के खाते में ऑनलाईन जमा करने के आदेश भी जारी किए गए है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया निजी विद्यालयों में निजी प्रकाशकों की संचालित पुस्तकों के ड्रेस्कोड एवं पोर्टल पर प्रविष्ट की गयी फीस तथा संबंधित विषयों के दस्तावेजों की जांच हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा जारी किए गए आदेश द्वारा गठित जांच दल द्वारा नवजागृति हायर सेकेण्डरी स्कूल दमोह द्वारा सत्र 2024-25 में अनुशंसित की गई पुस्तकों के ड्रेस्कोड एवं फीस तथा संबंधित विषयों से संबंधित दस्तावेजों की जाच की गयी।

उन्होंने बताया जांच उपरान्त विद्यालय प्रबंधन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण की गहन जांच उपरान्त अनुचित फीस वृद्धि किए जाने एवं चयनित पुस्तक विक्रेताओं से पुस्तकें क्रय करने हेतु विद्यार्थियों/अभिभावकों को बाध्य किए जाने का तथ्य सामने आया।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अनुचित फीस वृद्धि कर विद्यार्थियों/अभिभावकों से सत्र 2022-23 में 1613 विद्यार्थियों से 11 लाख 27 हजार 8 सौ रूपये, सत्र 2023-24 में 1604 विद्यार्थियों से 23 लाख 9 हजार 520 रूपये एवं सत्र 2024-25 में 1482 विद्यार्थियों से 21 लाख 51 हजार नव्वे रूपये तथा हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अनुचित फीस वृद्धि कर सत्र 2022-23 में 376 विद्यार्थियों से 1 लाख 9 हजार 8 सौ 70 रूपये,सत्र 2024-25 में कम्प्यूटर की फीस के नाम 489 विद्यार्थियों से 4 लाख 89 हजार रूपये अनुचित फीस वसूल की गयी।

वायरल फिवर ने जिला अस्पताल में बढ़ाई मरीजों की संख्या

परामर्श पर्चे के लिए लग रही कतार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, बदलते मौसम के कारण वायरल फिवर की वजह से अस्पताल में मरीजों की संख्या में इजाफा दिखाई दे रहा है। वहीं भीड़ अधिक होने से मरीजों को परामर्श पर्चा बनाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने तक के लिए कतार में लगना पड़ रहा है। यूं तो जिला अस्पताल में विभिन्न रोगों से ग्रसित 300 से 400 मरीज प्रतिदिन पहुंचते हैं, लेकिन बीते कुछ दिनों से मौसम में आए उतार चढ़ाव के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव पड़ा है और जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या का अनुमानित आंकड़ा 600 से 700 के करीब पहुंच गया है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ मेडिकल विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक सक्सेना ने बताया कि अस्पताल में वायरल फिवर से ग्रसित लोग पहुंच रहे हैं। वायरल फिवर में सिरदर्द, कंधे में दर्द, तेज बुखार के लक्षण हैं। ऐसे में मौसम के बदलाव के बीच मच्छरों से बचाव के उपाय करना आवश्यक है। डॉ सक्सेना ने आमजन से अनुरोध किया है कि वे अपने घरों के आसपास और घरों में पानी जमा नही होने दें, क्योंकि उक्त पानी में मच्छर पनपते हैं जो बीमारी का सबब बनते हैं। फिलहाल अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को आवश्यकता अनुसार उपचार दिया जा रहा है।

परामर्श पर्चे के लिए लंबी कतार वायरल फिवर के कारण सिरदर्द, बदन दर्द और तेज बुखार से परेशान सैकड़ों लोग इलाज के लिए शाजापुर जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। दशहरा पर्व को लेकर तीन दिनों का अवकाश होने के बाद सोमवार को अस्पताल के खुलते ही मरीजों की भारी भीड़ जमा हो गई जिसकी वजह से महिला और पुरूषों को परामर्श पर्चा बनवाने के लिए लंबी कतार में लगना पड़ा। हालांकि परामर्श पर्चा बनाने वालों की संख्या पर्याप्त रही, लेकिन मरीजों की संख्या का आंकड़ा अधिक होने से घंटों कतार लगी रही।

शाजापुर कराओके क्लब द्वारा दशहरा मिलन समारोह का आयोजन

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |शाजापुर,

भारतीय फिल्म संगीत की पहचान महान गायक कलाकार स्व श्री किशोर कुमार जी जिनका जन्म स्थान मध्य प्रदेश खंडवा है की पावन पुण्यतिथि अक्टो एवं सदी के महानायक सबके दिलों पर राज करने वाले महान अभिनेता श्री अमिताभ बच्चन जी का मंगल जन्म दिवस 11 अक्टूबर के अवसर पर क्लब के सदस्यों द्वारा किशोर कुमार द्वारा गाए गए एवं अमिताभ बच्चन पर फिल्माए गए गीतो को गाकर शानदार कार्यक्रम संपन्न किया गया। स्थानीय लगन गार्डन मे सोमवार को आयोजित कार्यक्रम मे दशहरा मिलन समारोह भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने मधुर गीतों की प्रस्तुतियां दी एवं श्रोताओं ने भी पूरा आनंद लिया। क्लब के संरक्षक डॉक्टर राजकुमार पाटीदार एवं डॉक्टर संजय खंडेलवाल ने किशोर दा के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जितेंद्र बिरथरे ने स्वागत भाषण दिया कार्यक्रम का संचालन हरीश शर्मा एवं उमेश टेलर ने किया। एवं सभी का आभार मनोज गिरजे ने माना।इस दौरान गीतों की प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारो मे डॉक्टर राजकुमार पाटीदार, डॉक्टर संजय खंडेलवाल, जितेंद्र बिरथरे ,मनोज गिरिजे, उमेश टेलर, हरीश शर्मा, अनिल सोनी , हरीश शर्मा (फूड ऑफिस),अभिमन्यु मिश्रा, संजय बोराडे ,भूपेंद्र राठौर, आशीष शर्मा ,एवं विनय निकते के द्वारा शानदार सुमधुर गीतों की प्रस्तुतियां दी गई।

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने किया निर्माण कार्यों का भुमिपूजन व शोकाकुल परिवार को बताया ढांढस

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, बालाघाट विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले ग्राम पंचायत अमेडा (डी.) में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी और पेवर ब्लाक सी सी रोड,आर सी सी नाली निर्माण कार्यों का भूमि पूजन मे बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे वअन्य जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल हुए। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर श्रीमती अनुभा मुंजारे जी ने सर्वप्रथम मां सरस्वती पूजा अर्चना कर की तत्पश्चात विद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर भरवेली ब्लाक कांग्रेस कमेटीअध्यक्ष श्री सुखदेवमुनि कुतराहें,शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष शानू रॉय, ग्राम पंचायत अमेडा (डी.) सरपंच श्रीमती टिकेश्वरी दिलीप लिल्हारे,उपसरपंच श्रीमती सीमा अरुण तेलासे,प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूलअमेडा डी.एस. घरते,गणेश राहंगडाले सेवा सहकारी समिति प्रबंधक,मनोज गाड़ेश्वर पूर्व सरपंच,धनलाल पंचेश्वर पूर्व सरपंच,गणेश सोनवानी पूर्व सरपंच,राजेंद्र बिरनवार पूर्व उपसरपंच, देवलाल बिसेन पवार समाज अध्यक्ष,रमेश महाते समाज सेवक,डॉ धनीराम नागेश्वर, अमरलाल लिल्हारे ग्राम पंचायत अमेडा के समस्त पंचगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम समाप्ति पश्चात् भरवेली ग्राम पंचायत अमेड़ा (डी.) निवासी फूलचंद टेकाम कि सुपुत्री कु चांदनी टेकाम आयु लगभग 19 वर्ष कि अल्पआयु में दु:खद निधन कि जानकारी मिलने पर उनके निवास स्थान पहुंचकर विधायक महोदया ने शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक-संवेदना व्यक्त कर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

सरस्वती महोत्सव में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवंअपराध नियंत्रण ब्यूरो परामर्श केंद्र का हुआ शुभारंभ

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, मां सरस्वती महोत्सव के प्रांगण में 13 अक्टूबर 2024 दिन रविवार को सरस्वती समिति व राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो जिला बालाघाट के लालबर्रा तहसील में पुलिस सहायता केंद्र एवं मानव अधिकार अपराध नियंत्रण ब्यूरो परामर्श केंद्र का शुभारंभ मां सरस्वती महोत्सव के तत्वाधान में किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमंत नायक थाना प्रभारी लालबर्रा साथ ही उप निरीक्षक महेंद्र सिंह बघेल उप निरीक्षक शशांक राणा उप निरीक्षक वैशाली उइके,प्रशांत बांसोड़ एवं समस्त पुलिस बल राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध नियंत्रण ब्यूरो के ज़िला अध्यक्ष चयंक चैतगुरू जिला उपाध्यक्ष आयुष फबवानी एवं लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष नितिन भारद्वाज, उपाध्यक्ष सपन खोबरागड़े,उपा. जितेंद्र भौरे,सचिव स्वाति ब्रम्हें जिला सचिव राज मिश्रा, वारासिवनी उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव,मीडिया ऑफिसर चंद्रकांत चंद्रावार,बिहारीलाल जी पटले, बसंत मसखरे,अंकित एयपुड़े, राजेश ब्रम्हें,विशाल पंचेश्वर, दीपक ब्रम्हें एवं ब्यूरो के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे जिसमे मां सरस्वती समिति के अध्यक्ष योगेशआश्वाले,कोषाध्यक्ष हिमांशु अर्जुनवार,मयूर महोबे,चेतन जैन,लिंकन अग्रवाल,अनिल ब्रम्हें,मुकेश अवधिया एवं समिति के सभी सदस्य शामिल रहे थाना प्रभारी हेमंत नायक द्वारा पुलिस सहायता केंद्र का शुभारंभ करने का मुख्य उद्देश्य महोत्सव में आने वाले श्रद्धालु भक्ति भारी मात्रा में रात्रि कालीन मां सरस्वती महोत्सव के कार्यक्रम में पहुंचते हैं जिसमें भारी से भारी मात्रा में जनसमुदाय एकत्र होता है पुलिस प्रशासन द्वारा भीड़ को नियंत्रित करना जनमानस की सुरक्षा आपसी समानजस बनाए रखने में भरपूर सहयोग प्रदान करना एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार नियंत्रण ब्यूरो द्वारा जागरूकता अभियान व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर सयोग प्रदान करना है।

कंजई ग्राम में दुर्गा उत्सव की भव्य प्रस्तुति,एडवोकेट आनंद बिसेन के नेतृत्व में सफल आयोजन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम कंजई में नवयुवक शक्ति सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड द्वारा 12 अक्टूबर दिन शनिवार को दशहरे के शुभ अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां आदिशक्ति जागरण म्यूजिक ग्रुप,लालबर्रा के प्रसिद्ध गायक कलाकार संदीप सेन और उनके साथियों ने मां गायत्री शक्तिपीठ प्रांगण में बेहतरीन प्रस्तुति दी,जिसने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। गीतों और भक्ति संगीत से सजी इस संध्या ने कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे वातावरण में उत्साह का संचार किया।कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनपद सदस्य वन सभापति धनेंद्र भलावी भी उपस्थित रहे और अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

इस आयोजन की सफलता में एडवोकेट आनंद बिसेन (जिला सरपंच संघ के जिला सचिव एवं विधिक संरक्षक) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न केवल उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई,बल्कि आयोजन को कुशलता से संपन्न कराने में भी उनका नेतृत्व सराहनीय रहा।आनंद बिसेन ने अपने संबोधन में कहा,दशहरा केवल अच्छाई की बुराई पर विजय का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। ऐसे आयोजनों से न केवल हम अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग के बीच सहयोग और सद्भाव का संदेश भी फैलाते हैं। कार्यक्रम का संचालन नवयुवक शक्ति सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन जी द्वारा किया गया।

ग्रामवासियों और नवयुवकों के समर्पित प्रयासों से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। मां गायत्री शक्तिपीठ प्रांगण में आयोजित इस भव्य उत्सव ने कंजई गांव को सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बना दिया।आनंद बिसेन के मार्गदर्शन ने इस आयोजन को एक नई दिशा दी,जिससे न केवल गांव के लोग प्रेरित हुए, बल्कि उन्होंने अपने नेतृत्व की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन पूर्व सरपंच दुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष बालकृष्ण बिसेन ने किया गया है।

ट्रोले की टक्कर से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

बस स्टैंड पर बढ़ रहा अतिक्रमण माना जा रहा है घटनाओं का जिम्मेदार

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ

मेड़ता रोड, मेड़ता रोड के मुख्य चौराहा पर एक डंपर की टक्कर से चौबीस वर्षीय विवाहिता घायल हो गई। उसका इलाज किया जाकर अजमेर भेजा गया। जहाँ देर शाम इलाज दौरान मौत हो गई। उसके पांच वर्षीय पुत्र के चोटें पहुंची है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डंपर को जब्त किया है। मेड़ता रोड निवासी अफसाना (24) सोमवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे अपने पांच वर्षीय पुत्र अरमान के साथ पीहर भकरी जाने के लिए घर से निकलकर बस स्टैंड पहुंची थी कि एक डंपर चालक ने जोरदार टक्कर मारी, जिससे अफसाना गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसका प्राथमिक इलाज मेड़ता रोड में किया जाकर उसे अजमेर रेफर किया गया। जहाँ देर शाम उसकी मौत हो गई व पुत्र अरमान के चोटें आने पर उसका प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दी गई। मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। घटना की रिपोर्ट मेड़ता रोड निवासी मोहम्मद अखलाक के द्वारा दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर को जब्त किया है। ज्ञात रहे कि मेड़ता रोड बस स्टैंड पर अतिक्रमण के कारण सड़क संकुचित है। जिसकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। मेड़ता रोड के बस स्टैंड से निकलने वाले स्टेट हाईवे पर अतिक्रमणियों द्वारा सड़क के दोनों और अतिक्रमण कर रखा है इसके कारण स्टेट हाईवे काफी सकरा है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वहीं मुख्य बस स्टैंड चौराहे पर सर्किल नहीं होना भी निरंतर हो रही दुर्घटनाओं का कारण है। ग्रामीणों ने चौराहा की मांग की है। ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

रेलवे स्वच्छता पखवाड़ा: एकल उपयोग प्लास्टिक निषेध अभियान चलाया

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ ।

मेड़ता रोड, जोधपुर रेल मंडल पर 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मंडल के स्टेशनों पर एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहें अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल के विभिन्न स्टेशनों पर भिन्न-भिन्न प्रतिष्ठानों में स्वच्छता विषय पर सेमिनार आदि का प्रचार-प्रसार कर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागृत किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह के निर्देशन में चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत सोमवार को एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहें अभियान जोधपुर मंड़ल के सभी स्टेशनो पर चलाया गया। इस अभियान के तहत प्लास्टिक बोतल शापिंग मशीनों के रखरखाव/कार्य की समीक्षा की गयी तथा एकल उपयोग प्लास्टिक के निषेध के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया, तथा मुस्कान ह्लह्र की सहायता से प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुस्प्रभाव के बारे मे बताया गया और रैली का आयोजन किया गया। प्लास्टिक का उपयोग ना करके कैसे पर्यावरण को स्वच्छ रख सकते है इसके बारे में लोगो को जागरुक किया गया।

पत्थर से कुचलकर 35 वर्षीय युवक सुरेंद्र भूमिया की निर्मम हत्या

रीठी के पुरानी तलैया के पास मिली युवक की लाश क्षेत्र मे फैली सनसनी जांच में जुटी पुलिस

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत रीठी के पुरानी तलैया के पास एक 35 वर्षीय युवक की लाश खून से सनी हुई अवस्था में मिली वही पास में खून से सना हुआ पत्थर भी मिला है। शव मिलने की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई और इसकी सूचना मिलते ही मौके पर रीठी थाना प्रभारी सहित पुलिस अधिकारी भी पहुंच गए और पूरे मामले की जांच में जुट गई। रीठी थाना प्रभारी ने राजेंद्र मिश्रा ने बताया की कटनी जिले के रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रीठी स्थित पुरानी तलैया के पास शौच क्रिया के लिए गए एक व्यक्ति ने जब वहा एक युवक की खून से सनी लाश देखी तो वह घबरा गया तत्काल उसने घटना की सूचना रीठी पुलिस को दी जिसके बाद धीरे धीरे यह खबर पूरे क्षेत्र मे फैल गई और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई प्रथम दृष्टया युवक के सर को एक बड़े पत्थर से कुचल कर उसकी हत्या किया जाना प्रतीत हो रहा है युवक की लाश के पास ही एक बड़ा पत्थर भी खून से सना हुआ मौजूद है, थाना प्रभारी ने बताया की मृतक जग्गू कटनी जिले के विजयराघवगण थाना क्षेत्र के जिजनौडी निवासी सुरेंद्र भूमिया उम्र 35 वर्षीय रूप में पहचान हुई है जो अपनी ससुराल सिंघिया आया हुआ थ पुलिस इस पूरे मामले पर जांच कर रही है की इस व्यक्ति की हत्या किसने और क्यों की है।

अच्छी कानून व्यवस्था और सुशासन से ही होगा विकास - मुख्य सचिव

प्रशासनिक तथा विकास कार्यों में आमजन को साथ जोड़ें - मुख्य सचिव

सीधी

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर तथा अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि अच्छी कानून व्यवस्था और सुशासन से ही प्रदेश का विकास होगा। जन कल्याण को केन्द्र में रखकर विकास योजनाओं का परिणाममूलक क्रियान्वयन करें। औद्योगिक विकास के लिए भारी मात्रा में निवेश की आवश्यकता है। निवेश के लिए अच्छी अधोसंरचना आवश्यक होगी। इसके लिए पूरे प्रदेश में कई बड़ी परियोजनाओं के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के कार्य गुणवत्तापूर्ण तथा समय-सीमा में पूरा कराएं। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजस्व तथा पुलिस अधिकारी निचले स्तर तक समन्वय से कार्य करें। गणेश विसर्जन, नवरात्रि, ईद तथा दशहरे में पूरे प्रदेश में अच्छी कानून व्यवस्था के लिए सभी अधिकारियों को बधाई। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक कार्य पूरी संवेदनशीलता से करें। लंबित प्रकरणों का विश्लेषण कर उनकी कमी दूर करने का प्रयास करें। सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद रखें। प्रशासनिक कार्यों और विकास के कार्यों से आमजनता को जोड़ें। योजनाओं के संबंध में सही जानकारी आमजनता तक पहुंचाएं। कमिश्नर और कलेक्टर राजस्व कार्यों पर विशेष ध्यान दें। कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। नहरों की तत्काल मरम्मत कराकर अंतिम छोर तक पानी पहुंचाएं। जिन सिंचाई परियोजनाओं में प्रेशराइज्ड पाइप पानी दिया जा रहा है वहाँ के सभी किसानों को स्प्रिंकलर के उपयोग के लिए प्रेरित करें। शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों को घर, बिजली, पानी और एलपीजी गैस की सुविधा दी जा रही है। इनसे जुड़ी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें। आकांक्षी जिले तथा विकासखण्ड एवं गति शक्ति योजना को जिला स्तर तक लागू करने के प्रयासों की भी मॉनीटरिंग करें। कलेक्टर पटवारियों के उनके हल्के के ग्राम पंचायत में सप्ताह में निर्धारित दिन में उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी फसल के लिए बीज की कमी नहीं है। यूरिया खाद पर्याप्त मात्रा में भण्डारित है। डीएपी खाद की आपूर्ति कम है। कलेक्टर खाद के वितरण की उचित व्यवस्था करें। जिन वितरण केन्द्रों में अधिक संख्या में किसान पहुंच रहे हैं वहाँ निजी विक्रेताओं के भी काउंटर शुरू करा दें। डीएपी के स्थान पर एनपीके और एसएसपी के खाद के उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करें। इसके लिए लगातार व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाएं। धान तथा अन्य अनाजों के उपार्जन के लिए खरीदी केन्द्रों में पूरी व्यवस्था कर लें। उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। डेंगू, मलेरिया तथा चिकनगुनिया के नियंत्रण एवं अन्य संचारी रोगों से बचाव के लिए उचित व्यवस्था करें। जिन संभागों में नए जिलों का गठन हुआ है वहाँ कमिश्नर नए जिलों में मुख्य जिले के अधिकारियों की सप्ताह में एक दिन अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में डीजीपी ने कहा कि पूरे प्रदेश में राजस्व और पुलिस अधिकारी समन्वय से कार्य कर रहे हैं जिसके कारण त्यौहारों में कानून और व्यवस्था की अच्छी स्थिति बनी रही। कई जिलों में निराश्रित गौवंश सड़कों पर रहने के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन गौवंशों को गौशालाओं अथवा अन्य स्थानों में व्यवस्थित कराएं। नशीले पदार्थों के विरूद्ध लगातार अभियान जारी रखें। जिला स्तरीय एनकोर समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करके नशामुक्ति अभियान समीक्षा करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग में सभी त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न हुए। मैहर में नवरात्रि मेले में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए। चित्रकूट में दीवाली में लगभग 20 लाख लोग दीपदान के लिए आएंगे। इसके लिए पूरे प्रबंध किए जा रहे हैं।

कुत्तें के काटने से दूधिया की हुई मौत

एंटी रेबीज की चारों वैक्सीन लगवाने के बाद भी नहीं बच सकी जान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

देवबंद (सहारनपुर)। देवबंद क्षेत्र में कुत्ते खूंखार हो गए है। कुत्ते के काटने से दूध बेचने का काम करने वाले मंगलौर रोड पुलिस चौकी के समीप रहने वाले युवक अमित गोयल की मौत हो गई। अमित ने कुत्ते के काटने के बाद एंटी रेबीज की चारों वैक्सीन लगवाई थी। लेकिन उसके बाद भी उसकी जान नहीं बच सकी। बताया जा रहा है कि अमित रेबीज बीमारी का शिकार हो गया जिसके बाद उसे चंडीगढ़ पीजीआई में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक मंगलौर रोड पुलिस चौकी के समीप रहने वाला युवक अमित गोयल (रिंकू) पुत्र स्व. अशोक कुमार दूध बेचने का कार्य करता था। कुछ दिन पूर्व दूध सप्लाई के दौरान रिंकू को कुत्ते ने काट लिया था। जिसके बाद अमित ने सीएचसी जाकर एंटी रेबीज की चारों वैक्सीन लगवाई थी। बताया जाता है कि दो दिन पूर्व युवक को बुखार आया और रेबीज के लक्षण उभरने पर परिजन युवक को लेकर सहारनपुर जिला अस्पताल पहुंचे जहां से चिकित्सकों ने उसे पीजीआई चंडीगढ रेफर कर दिया। जहाँ इलाज के दौरान अमित की मौत हो गई। अमित अपने परिवार में अकेला कमाने वाला था। उसके 9 व 7 वर्ष के दो बच्चें है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण में गति लाएं सभी विभाग लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए युद्धस्तर पर कार्य किए जाने की आवश्यकता

नर्मदापुरम

सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने-अपने अनुविभाग अंतर्गत फसलों को हुई क्षति का आंकलन किया जाना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

कोई भी अधिकारी अनुकंपा नियुक्ति, समयमान वेतनमान आदि प्रकरणों को लंबित न रखें

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई समय सीमा बैठक

सोमवार 14 अक्टूबर को आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं स्वर्गीय डॉक्टर संजय अग्रवाल के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया। कलेक्टर ने कहा कि श्री अग्रवाल एक सक्रिय एवं सकारात्मक व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। उनका असामयिक निधन पूर्ण रूप से अप्रत्याशित एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला स्तर पर भी श्री अग्रवाल की कमी हमेशा खलेगी। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक के दौरान विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं एवं जिले से संबंधित अन्य विषयों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले में डेंगू के मामलों में वृद्धि को देखते हुए सीएमएचओ नर्मदापुरम को निर्देशित किया है कि जिन क्षेत्रों में डेंगू से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक है, वहां आशा और मेडिकल टीमों को सक्रिय मोड में रखा जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया है कि उन स्थानों पर विशेष सर्वेक्षण किया जाए और आवश्यक दवाओं का छिड़काव तथा लार्वा विनिष्टिकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि डेंगू मामलों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपायों को लागू किया जाए तथा निर्देशों का पालन करते हुए जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जिले में हाल ही में हुई बारिश और आंधी-तूफान के कारण फसलों को हुए नुकसान का आंकलन करने के लिए सभी एसडीएम और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने कहा है कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वेक्षण किया जाए और वहां फसलों को हुए नुकसान का समुचित आंकलन करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। बैठक में कलेक्टर ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होने सभी नगर पालिका सीएमओ को इस दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे लंबित अनुकंपा नियुक्ति, समयमान वेतनमान, इंक्रीमेंट, वेतन वृद्धि और पे फिक्सेशन से संबंधित मामलों का अविलंब निराकरण करें। कलेक्टर सुश्री मीना ने आगामी पर्वों को दृष्टिगत रखते हुए, पटाखों के लाइसेंस के लिए सभी उप जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) और तहसीलदारों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में बिना अनुज्ञप्ति के पटाखों का भंडारण और विक्रय न हो इस बात का विशेष ध्यान रखें एवं आवश्यकतानुसार इसके लिए निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आगामी पर्वों को लेकर सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदारो को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र में शांति समिति की बैठक संपन्न किया जाना भी सुनिश्चित करें। सीईओ जनपद पंचायत सिवनी मालवा को मोरंड गंजाल प्रोजेक्ट के लिए एनवीडीए के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाहियों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सार्थक ऐप पर अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अभी भी कई कर्मचारियों द्वारा एप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करवाई जा रही ही एवं समय पर कार्यालय में भी कर्मचारी नहीं पहुंच रहे हैं। आयुष विभाग के कर्मचारियों की वास्तविक संख्या एवं पोर्टल पर दर्ज संख्या में अंतर होने के कारण उन्होंने जिला आयुष अधिकारी को सार्थक पोर्टल पर विभाग का डाटा अद्यतन करवाए जाने के निर्देश दिए। निर्धारित समयानुसार भी कार्यालय में उपस्थित नहीं होने वाले ृषि विभाग एवं आयुष विभाग के कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाने के लिए भी निर्देशित किया है। कलेक्टर ने शासकीय शालाओं एवं आंगनवाड़ियों का अधिकारियों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण की भी विस्तारपूर्वक समीक्षा की। कलेक्टर ने ए.सी ट्राइबल द्वारा अधिकारियों द्वारा छात्रावासों के निरीक्षण उपरांत बताई गई समस्याओं के निराकरण के संबंध में अद्यतन जानकारी न प्रस्तुत करने पर नाराजगी व्यक्त की तथा एक दिवस में उक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि शासकीय स्कूलों में कुल पंजीकृत छात्र छात्राओं की उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रतिदिन 11 बजे तक उपस्थिति का डेटा भी लिया जाये। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि जिन शालाओं में संबंधित विषय के शिक्षकों की अनुपलब्धता है उन शालाओं में विषय शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा है कि निरीक्षण में पाई जा रही अनियमितताओं के निराकरण करने की जवाबदारी संबंधित विभाग की है। निरीक्षणकर्ता अधिकारी उन समस्याओं का निराकरण नहीं करेंगे। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि संस्थागत स्तर पर निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के निराकरण किया जाए। जिन भी अधिकारियों द्वारा पिछले दो सप्ताहों में एक भी निरीक्षण नही किया गया है वे आवश्यक रूप से इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को आवंटित निरीक्षण समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। आंगनवाड़ियों के निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में डी पी ओ महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया गया है कि आंगनवाड़ियों में उपलब्ध करवाए जा रहे नाश्ते एवं भोजन को समयानुसार दिया जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देशित किया है कि सभी अधिकारी प्रारंभिक निरीक्षण के उपरांत पाई गई अनियमितताओं तथा उनके ऊपर की गई कार्यवाही की जानकारी आवश्यक रूप से निर्धारित प्रपत्र में तैयार कर प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने समस्त सीएमओ एवं जनपद सीईओ को निर्देशित किया है कि चिन्हित किए गए जर्जर भवन जो डिस्मेंटल किए जाने के लिए शेष हैं उन्हें सभी आवश्यक प्रक्रिया संपन्न कर आगामी 1 सप्ताह में डिस्मेंटल करने की कार्यवाही की जाए तथा कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सी एम हेल्पलाइन की शिकायतो की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर सुश्री मीना ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है की समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत समस्त लंबित शिकायतो को प्राथमिकता से निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है की सभी अधिकारी युद्धस्तर पर कार्य करते हुए सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों का निपटारण करे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन पर स्वास्थ विभाग की खराब ग्रेडिंग के लिए सीएमएचओ नर्मदापुरम को निर्देशित किया है कि विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों को शीघ्र निराकृत किया जाए। कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कोई भी विभाग डी कैटेगरी में ना रहे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समाधान ऑनलाइन पर लंबित प्रसूति सहायता से संबंधित शिकायत के निराकरण के लिए सी एम एच ओ को निर्देशित किया है कि ब्लॉक स्तर पर शिकायतो को द्विभाजित कर उनको शीघ्र निराकृत करें तथा मातृ वंदना योजना संबंधी शिकायतो को डीपीओ महिला एवं बाल विकास प्राथमिकता से विश्लेषण कर शिकायतकर्ता को समक्ष बुला कर उनकी शिकायतो को निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोक सेवा प्रबंधक आनंद झेरवार को निर्देश दिए हैं की शिकायतो की स्थिति के संबध में उन्हें नियमित रूप से जानकारी प्रस्तुत करें। जानकारी में शिकायतो के निराकरण एवं नवीन पंजीयन की स्थिति स्पष्ट रूप से उल्लेखित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि कोई भी विभाग 50 दिवस से अधिक पुरानी शिकायतों को लंबित ना रखें। आगामी एक सप्ताह के अंदर उन्हें आवश्यक रूप से बंद कर दें तथा यदि शिकायत बंद नहीं हो रही है तो इसके संबंध में कोई ठोस कारण प्रस्तुत करना भी सुनिश्चित करें।

एसडीएम के बचाव में आई कलेक्टर, वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा शिकायती पत्र

झाबुआ में एसडीएम और टीआई के बीच कुर्सी के विवाद ने पकड़ा तूल

भोपाल। झाबुआ जिले में प्रशासनिक और पुलिस विभाग के बीच एक हाई-प्रोफाइल विवाद ने तूल पकड़ लिया है। यह विवाद 2022 बैच की आईएएस अधिकारी और एसडीएम तनुश्री मीना तथा पेटलावद थाने के टीआई प्रदीप वाल्टर के बीच है। कुर्सी पर बैठने की बात से शुरू हुआ यह विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है, जिसके चलते कलेक्टर नेहा मीना ने भी हस्तक्षेप करते हुए टीआई के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत पत्र भेजा है। एसडीएम की शिकायत पर कलेक्टर नेहा मीना ने भी अपना समर्थन दिया। उन्होंने टीआई वाल्टर के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र जारी कर उनके आचरण की लिखित शिकायत की और उचित कार्रवाई की मांग की। इस विवाद के चलते प्रशासनिक और पुलिस दोनों विभागों के बीच तालमेल में खटास आने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस विवाद की शुरूआत 27 सितंबर 2024 को एक बैठक के दौरान हुई, जब एसडीएम तनुश्री मीना ने कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए एसडीओपी और टीआई प्रदीप वाल्टर को बुलाया। बैठक में एसडीओपी पहले से कुर्सी पर बैठे थे, जिसे देखकर टीआई वाल्टर भी बैठ गए। इस पर एसडीएम ने आपत्ति जताई कि टीआई ने बिना अनुमति के बैठना अनुशासन का उल्लंघन किया है। इस बात पर टीआई नाराज हो गए और बिना बैठक पूरी किए बाहर चले गए। इसके बाद फोन पर भी दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

बैठक के बाद एसडीएम तनुश्री मीना ने कलेक्टर नेहा मीना को टीआई वाल्टर के खिलाफ एक शिकायती पत्र भेजा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि टीआई ने उनके प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया और आक्रामक व्यवहार दिखाया। एसडीएम के अनुसार, जब टीआई से कुछ सवाल पूछे गए तो उन्होंने न केवल अनुचित तरीके से जवाब दिया बल्कि निंदनीय व्यवहार भी किया। इसके बाद, एसडीएम ने उन्हें कार्यालय से बाहर जाने के लिए कहा।

जनसुनवाई में अनुपस्थिति पर एसडीएम ने मांगा जवाब

विवाद यहीं नहीं थमा। एसडीएम तनुश्री मीना ने टीआई वाल्टर को जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने को लेकर एक नोटिस जारी किया। हर मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है,

लेकिन टीआई वाल्टर इसमें अनुपस्थित रहते थे, जिससे जनसमस्याओं के निराकरण में दिक्कतें आ रही थीं। एसडीएम ने नोटिस में कहा कि टीआई इस संबंध में स्पष्टीकरण दें, अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी जाएगी।

दोनों अधिकारियों की कार्यशैली मानी जा रही है अच्छी

तनुश्री मीना 2022 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और हाल ही में सितंबर 2024 में झाबुआ में एसडीएम के पद पर नियुक्त हुई हैं। इससे पहले वे छिंदवाड़ा में सहायक कलेक्टर के रूप में कार्यरत थीं। वहीं, टीआई प्रदीप वाल्टर 2000 बैच के सब-इंस्पेक्टर हैं और प्रमोशन के बाद अब टीआई के पद पर कार्यरत हैं। दोनों अधिकारियों की कार्यशैली अच्छी मानी जाती है, लेकिन ईगो क्लैश के कारण यह विवाद तूल पकड़ चुका है।

इंदौर-खरगोन सहित कई जिलों में मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

मप्र में तेज हवा के साथ कई जिलों में बारिश, आज भी आसार

भोपाल। भले ही मानसून प्रदेश के 48 जिलों से विदा हो चुका है, लेकिन अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगातार आ रही नमी से कई शहरों में गरज-चमक के साथ वर्षा का सिलसिला बना हुआ है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक मौसम का इस तरह का मिजाज अभी तीन-चार दिन तक बना रह सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में अरब सागर में एक गहरा कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। तमिलनाडु के तट पर भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। इससे लेकर अरब सागर तक एक द्रोणिका बनी हुई है। राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ पर प्रति चक्रवात भी बने हुए हैं।

मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदल गया है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के कुछ जिलों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में 15 अक्टूबर को भी मौसम खराब रह सकता है। इसके बाद मौसम साफ रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान मध्य प्रदेश के रतलाम, झाबुआ, उज्जैन, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, सिहोर, हरदा, होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, दमोह, जबलपुर, कटनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज रफ्तार हवाओं के साथ बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है। कुछ जगहों पर झमाझम बारिश भी देखी जा सकती है।

बीते 24 घंटे की बात करें तो ग्वालियर, चंबल, शहडोल, सागर, जबलपुर संभाग के जिलों में कुछ जगहों पर जबकि भोपाल, इंदौर नर्मदापुरम, उज्जैन संभागों के जिलों में अधिकांश जगहों पर गरज चमक के साथ बारिश देखी गई। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जै, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी, उमरया, डिंडोरी, नरसिंहपुर, मंडला, बालाघाट, दमोह, सागर, पांढुना, अनूपपुर जिलों के अलग अलग हिस्सों में गरज चमक के साथ तेज हवाएं चली।

रुक-रुककर बारिश का सिलसिला

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी की तरफ से दक्षिण-पूर्वी हवाओं के साथ नमी आ रही है। उधर, प्रतिचक्रवात के असर से ऊपर के स्तर पर उत्तर-पूर्वी हवाएं आ रही हैं। विपरीत प्रकृति का संयोजन होने के कारण ही मध्य प्रदेश में गरज-चमक के साथ रुक-रुककर वर्षा होने का सिलसिला बना हुआ है। इस तरह की स्थिति अभी तीन-चार दिन तक और बनी रह सकती है। इस दौरान एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है।

कल साफ रह सकता है मौसम

मौसम विभाग का कहना है कि सूबे के कुछ हिस्सों में 15 अक्टूबर को भी मौसम खराब रह सकता है। आईएमडी ने 15 अक्टूबर को रतलाम, उज्जैन, इंदौर, खरगौन, सिहोर, बैतूल, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला और अनूपपुर जिलों के कुछ हिस्सों में तेज हवाएं चलने और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की चेतावनी दी है। इसके बाद 16 अक्टूबर से मध्य प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

बंगाल की खाड़ी में फिर गहराया निम्न दाब, मुंबई में भी आईएमडी का अलर्ट

नए तूफान की आहट, 80 किमी की रफ्तार से चल सकती है हवा

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुंबई केंद्र ने मुंबई और आसपास के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर एक सायक्लोनिक सकुर्लेशन के प्रभाव से एक निम्न दबाव क्षेत्र का निर्माण हुआ है, जो अब और अधिक मजबूत हो चुका है और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों की ओर बढ़ चुका है। इसके अगले 24 घंटों में और मजबूत होकर एक डीप डिप्रेशन में तब्दील होने की संभावना है। इससे श्रीलंका के पूर्वी तट और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के तटीय इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि इस दौरान तमिलनाडु, दक्षिणी आंध्र प्रदेश, पुडुच्चेरी और तटवर्ती इलाकों में 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने कहा है कि इस निम्न दबाव की वजह अगले 36 घंटों तक तटीय आंध्र प्रदेश और तटीय तमिलनाडु में मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, 15 अक्टूबर की रात से 16 अक्टूबर तक चेन्नई से लेकर कन्याकुमारी तक तमिलनाडु तट पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। तमिलनाडु के तट के मध्य हिस्सों जैसे पुडुचेरी, कराईकल, नागापट्टिनम, टोंडी, तूतीकोरिन जैसे क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति का खतरा पैदा हो सकता है। आईएमडी ने कहा है कि तूफान की वजह से भारी बारिश राज्य के आंतरिक हिस्सों तक हो सकता है। इससे त्रिची, मदुरै, तंजावुर, इरोड, करूर, तिरुपुर, कोयंबटूर और ऊटी में विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसका असर केरल, कर्नाटक में भी पड़ने की संभावना है।

सनकी किंग किम जोंग उन ने द. कोरिया पर निकाला गुस्सा, अंतर-कोरियाई सारी सड़कें उड़ा दीं

प्योंगप्यांग: दक्षिण कोरिया के सनकी किंग किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अंतर-कोरिया सड़कों के उन उत्तरी हिस्सों को उड़ा दिया है जो अब उपयोग में नहीं हैं। दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन उड़ाए जाने के उसके दावे के बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को सड़कों के कुछ हिस्सों को उड़ा दिया। इसमें कहा गया है कि दक्षिण कोरियाई सेना अपनी तैयारी और निगरानी बढ़ा रही है लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी।

इस कार्रवाई से एक दिन पहले उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने शीर्ष सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलायी थी। बैठक में किम ने दक्षिण कोरिया द्वारा कथित तौर पर ड्रोन भेजे जाने को ''दुश्मन का गंभीर उकसावे वाला कदम बताया। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया द्वारा फिर से ड्रोन भेजे जाने पर उस पर हमले शुरू करने के लिए अपनी सैन्य इकाइयों को तैयार रहने के लिए कहा था। दक्षिण कोरिया ने ड्रोन भेजे जाने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया लेकिन चेतावनी दी थी कि अगर उसके नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया तो उत्तर कोरिया को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। अंतर कोरियाई सड़कों को नष्ट करने की कार्रवाई, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की दक्षिण कोरिया के साथ संबंध समाप्त करने तथा उसे औपचारिक रूप से अपने देश का प्रमुख शत्रु घोषित करने की उनकी कोशिश के अनुरूप होगी। साल 2000 में अंतर-कोरियाई संबंधों में नरमी के दौरान दोनों देशों ने भारी किलेबंदी वाली अपनी सीमा को दो सड़क मार्गों और दो रेल पटरियों से फिर से जोड़ा था। लेकिन उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और अन्य मुद्दों को लेकर बाद में उनका संचालन निलंबित कर दिया गया था।

छात्रों को लेकर जा रही बस हुई बड़े हादसे का शिकार

12 विद्यार्थियों की मौत, 33 घायल

काहिरा: उत्तर-पूर्वी मिस्र में एक राजमार्ग पर एक विश्वविद्यालय के छात्रों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई, जिससे 12 विद्यार्थियों की मौत हो गई और 33 अन्य विद्यार्थी घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार रात यह जानकारी दी। बस में स्वेज में स्थित 'गलाला विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सवार थे। यह दुर्घटना 'ऐन सोखना राजमार्ग पर उस समय हुई जब बस विद्यार्थियों को उन्हें घर छोड़ने के लिए निकली थी। मंत्रालय ने दुर्घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया।

ट्रूडो ने फिर की भारत पर कड़ी टिप्पणी, कहा- 'घर में हिंसा बर्दाश्त नहीं, US सहित Five Eyes को दे रहे सारी जानकारी

ओटावा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि कनाडा ने अपने फाइव आईज भागीदारों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पिछले साल एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता के आरोपों से संबंधित सभी जानकारी साझा की है। ट्रूडो द्वारा जल्दबाजी में बुलाई गई यह प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐसे समय में हुई है, जब भारत ने सोमवार को छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और अपने उच्चायुक्त तथा अन्य लक्षित अधिकारियों को कनाडा से वापस बुलाने की घोषणा की। भारत ने ओटावा के उन आरोपों को दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया है, जिसमें राजदूत को सिख चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से जोड़ा गया था। इससे India-Canada के बीच पहले से ही खराब चल रहे संबंधों में और गिरावट आई है। ट्रूडो ने ओटावा में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पिछली गर्मियों से ही हम अपने साझेदारों खासकर अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जहां न्यायेतर हत्या के प्रयास के मामले में भारत का इसी तरह बर्ताव सामने आया था। उन्होंने कहा कि हम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे तथा कानून के शासन के लिए एकजुट रहेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अब तक अपने दो करीबी सहयोगियों और साझेदारों के बीच राजनयिक संकट पर कोई बयान नहीं दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद को ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार रखता है। मंत्रालय ने

कहा कि प्रधानमंत्री ट्रूडो की भारत के प्रति बैरपूर्ण स्वभाव लंबे समय से स्पष्ट है।

मंत्रालय ने कहा, ''ट्रूडो ने 2018 में भारत की यात्रा की थी जिसका मकसद वोट बैंक को साधना था, लेकिन यह उन्हें असहज करने वाली साबित हुई। उनके मंत्रिमंडल में ऐसे व्यक्ति शामिल हैं, जो भारत के संबंध में चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से खुले तौर पर जुड़े हुए हैं। दिसंबर 2020 में भारत की आंतरिक राजनीति में उनका स्पष्ट हस्तक्षेप दिखाता है कि वह इस संबंध में कहां तक जाना चाह रहे थे। संवाददाता सम्मेलन के दौरान ट्रूडो ने कहा कि स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं है। ट्रूडो ने कहा, ''हम सिर्फ यही चाहते हैं कि कनाडा के लोगों को उनके समुदायों में, उनके घरों में हिंसा का सामना नहीं करना पड़े, बल्कि हम यह भी चाहते हैं कि भारत के साथ संबंधों में भी तनाव पैदा नहीं हो। उन्होंने कहा, ''इसलिए हमने पिछले सप्ताह अपनी सुरक्षा एजेंसियों, राजनयिकों और पुलिस एजेंसियों के माध्यम से भारत सरकार से संपर्क किया, ताकि इस गहरे मतभेद को दूर करने का रास्ता खोजा जा सके... कनाडावासियों की रक्षा की जा सके... वहीं भारत और कनाडा के बीच के अच्छे संबंध नष्ट नहीं हों। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से, भारत ने ''हमारे साथ काम करने का विकल्प नहीं चुना है। उन्होंने इस (ट्रूडो) सरकार के खिलाफ व्यक्तिगत हमले करने, उसे नकारने और उसे पीछे धकेलने का विकल्प चुना और हमारी एजेंसियों तथा संस्थानों की ईमानदारी पर सवाल उठाया। इसलिए हमें कनाडा के लोगों की सुरक्षा के लिए जवाब देना पड़ा है।

ट्रूडो ने आरोप लगाया, ''मेरा मानना है कि भारत ने अपने राजनयिकों और संगठित अपराध का इस्तेमाल करके कनाडा के लोगों पर हमला करने, उन्हें अपने घरों में असुरक्षित महसूस कराने और इससे भी बढ़कर हिंसा तथा यहां तक कि हत्या की वारदातों को अंजाम देने का रास्ता चुनकर एक बड़ी गलती की है। यह अस्वीकार्य है।

ट्रूडो ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569